अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 04 लखनऊ, मंगलवार, 15 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

उत्तर प्रदेश में विभिन्न दैवीय आपदाओं में 14 लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों हो रही झमाझम बारिश और आकाशीय बिजली लोगों के लिए कॉल बन रही है। इसके साथ ही बारिश में सर्पदंश की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। बीते 24 घंटे में उत्तर प्रदेश में विभिन्न दैवीय आपदाओं में 14 लोगों की मौत हुई है। राहत आयुक्त कार्यालय लखनऊ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटे में जौनपुर जनपद में एक लोग की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई है। रायबरेली जनपद में एक लोग की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हुई है। चंदौली जनपद में एक लोग की मौत आकाशीय बिजली व एक लोग की मौत सर्पदंश से हुई है। चित्रकूट जनपद में दो लोगों की मौत पानी में डूबने से हुई है। प्रतापगढ़ में एक लोग की मौत सर्पदंश से हुई है।

मुंबई एयरपोर्ट के रनवे पर अकासा एयर के विमान से मालवाहक ट्रक टकराया

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट के रनवे पर सोमवार को अकासा एयर के विमान से एक मालवाहक ट्रक अचानक टकरा गया। इससे मालवाहक ट्रक और विमान के पंख का नुकसान हुआ है। इस घटना की जांच मुंबई एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से की जा रही है। अकासा एयरलाइन के प्रवक्ता के अनुसार विमान बोइंग ७३७ मैक्स आज दोपहर को मुंबई एयरपोर्ट के रनवे पर पहले से पार्क किया गया था। अचानक एक मालवाहक ट्रक विमान के पंखे से टकरा गया। जब यह घटना हुई, उस समय ट्रक एक थर्ड पार्टी ग्राउंड हैंडलर चला रहा था। दुर्घटना के बाद विमान का पंखा फट गया है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि विमान का अभी गहन निरीक्षण किया जा रहा है और हम थर्ड पार्टी ग्राउंड हैंडलर के साथ इस घटना की जाँच कर रहे हैं।

संसद के कामकाज में एआई का प्रवेश

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में लोकसभा के कामकाज में आर्टिफीशियल इन्टेलीजेंस(एआई) आधारित डिजीटलीकरण का अगला चरण लागू किया जाएगा, जिसमें दो नई भाषाओं में अनुवाद की सेवा और सांसदों की उपस्थिति डिजीटली दर्ज करना शामिल है। लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों ने आज बताया कि इस सत्र से लोकसभा में सांसदों को हाजिरी लगाने के लिए रजिस्टर में हस्ताक्षर करने के अलावा में सदन में उनके लिए आवंटित सीट पर मल्टीमीडिया माध्यम से बायोमेट्रिक ढंग से (अंगूठे या उंगली के निशान से) अथवा पिन नंबर दर्ज करके हाजिरी लगाने की सुविधा उपलब्ध होगी। आने वाले समय में रजिस्टर पर हस्ताक्षर की परंपरा को बंद करके केवल डिजीटल माध्यम से हाजिरी लगाने का प्रक्रिया अपनायी जाएगी।

कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटें : योगी

● श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन हेतु मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

यात्रा मार्ग पर साफ-सफाई, सुरक्षा और चिकित्सा सेवाएं रहें सुदृढ़ : मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा में विघ्न डालने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। श्रावण मास के दौरान उत्तर प्रदेश में संचालित हो रही कांवड़ यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह पवित्र यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हो। इसके लिए शासन-प्रशासन पूरी सजगता, संवेदनशीलता और सक्रियता से कार्य करे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, चिकित्सा, पेयजल, भोजनालय, विश्रामालय और शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महिला श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उन्होंने विशेष निर्देश दिए कि महिला कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम हों तथा महिला पुलिस बल की प्रभावी तैनाती की जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जाए। खुफिया तंत्र को पूरी सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या अराजकता की कोशिश को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से जरूरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए और शिव भजनों का प्रसारण सुनिश्चित हो, जिससे श्रद्धालु भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से जुड़ाव महसूस करें।

स्कूल पेयरिंग से संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा सुनिश्चित : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● सीएम योगी ने परिषदीय छात्रों के लिए 1200 की डीबीटी सहायता शीघ्र अभिभावकों के खातों में भेजने के दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए हैं। शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विद्यालयों में शिक्षक-छात्र अनुपात आदर्श स्थिति में होना चाहिये। उन्होंने निर्देश दिये कि रिक्तियों के सापेक्ष अधियाचन तत्काल भेजा जाए और नियुक्ति प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, बच्चों की शत-प्रतिशत विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि छह से 14 वर्ष की आयु का एक भी बच्चा विद्यालय से वंचित नहीं रहना चाहिए, विद्यालय प्रबन्ध समिति (प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान) इसे सुनिश्चित कराए। इस दिशा में ''स्कूल चलो अभियान'' को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे।

मुख्यमंत्री ने परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रत्येक छात्र के अभिभावक के बैंक खाते में यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्टेशनरी एवं पाठ्य सामग्री के लिए 1200 रुपये की सहायता राशि को डीबीटी के माध्यम से शीघ्रता से अंतरित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्य पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ किया जाए ताकि लाभार्थियों को समय पर मदद मिल सके और विद्यालयीन सामग्री की व्यवस्था बाधित न हो।

मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं के स्वागत हेतु प्रमुख अवसरों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रमुख स्थलों पर चिकित्सा शिविर, प्राथमिक उपचार केंद्र और एम्बुलेंस सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। खाद्य पदार्थों की शुद्धता को लेकर मुख्यमंत्री ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया कि वे खानपान सामग्री की गुणवत्ता और शुद्धता की नियमित जांच सुनिश्चित करें।

मोटापे के खिलाफ स्वास्थ्य मंत्रालय की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। मोटापे की समस्या को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक खास रणनीति बनाई है। समोसा, जलेबी, कचौरी जैसे जायकेदार चीजों को बेचने वाले संस्थानों को अब इनमें मौजूद कैलोरी और शुगर की जानकारी देनी होगी। इस संबंध में स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों को पत्र लिख कर मोटापे के खिलाफ कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सिगरेट की तरह सरकारी कार्यालय और सार्वजनिक संस्थानों में अब खाने-पीने की चीजों में तेल और चीनी की मात्रा के बोर्ड लगाने के सुझाव दिए गए हैं। ये सूचनात्मक पोस्टर और डिजिटल बोर्ड का मकसद समोसे, कचौरी, पिज्जा, पकौड़े, केले के चिप्स, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम और चॉकलेट पेस्ट्री में मौजूद चीनी और तेल की सही मात्रा के बारे में जानकारी देना है।

सभी मंत्रालयों के सचिवों को 21 जून को लिखे गए पत्र में कई सुझाव दिए गए हैं। इन सुझावों में सभी सरकारी संस्थानों में तेली हुई चीजें, मिठाई जैसे

● कैंटीन में खाने-पीने की चीजों में मौजूद कैलोरी की देनी होगी जानकारी

खाने-पीने की चीजों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्रों (कैफ़ेटेरिया, लॉबी, बैठक कक्ष और अन्य सार्वजनिक स्थानों) में तेल और चीनी बोर्ड के डिस्प्ले लगाने का सुझाव दिया गया। इसके साथ मोटापे से लड़ने के दैनिक अनुस्मारक को सुदृढ़ करने के लिए सभी आधिकारिक स्टेशनरी (लेटरहेड, लिफाफ़े, नोटपैड, फ़ोल्डर आदि) और प्रकाशनों पर स्वास्थ्य संदेश छापने के सुझाव दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट 'उदयपुर फाइल्स' मामले पर शीघ्र सुनवाई को सहमत

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स-कन्हैयालाल लाल टेलर मर्डर' के रिलीज पर रोक लगाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर शीघ्र सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गौरव भाटिया के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध पर कहा कि इस मामले को एक या दो दिन में सूचीबद्ध किया जाता सकता है। अधिवक्ता ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान गुहार लगाते हुए कहा कि फिल्म रिलीज के लिए तैयार थी लेकिन उच्च न्यायालय ने उससे 12 घंटे पहले रोक लगा दी। फिल्म के निर्माता ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 10 जुलाई के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें रिलीज पर रोक लगा दी गई थी।

उच्च न्यायालय ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद फिल्म की निर्धारित रिलीज (11 जुलाई) से एक दिन पहले रोक संबंधी आदेश पारित किया था। उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाओं ने दलील देते हुए आरोप लगाया था कि फिल्म सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ है। साथ ही, यह मुस्लिम समुदाय को बदनाम करती है।

सोशल मीडिया पर बढ़ती विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर रोक लगनी चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की कीमत समझनी चाहिए और इस स्वतंत्रता के साथ-साथ स्व-नियंत्रण और संयम का पालन करना चाहिए। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सोशल मीडिया पर बढ़ती विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर रोक लगाई जानी चाहिए। कोर्ट ने साफ किया कि वो सेंसरशिप की बात नहीं कर रहा है, बल्कि चाहता है कि लोग खुद से जिम्मेदारी निभाएं और अपनी बातों में संयम बरतें।

उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) प्रमाणपत्र के खिलाफ केंद्र सरकार के समक्ष पुनर्विचार याचिका दायर कर सकते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि फिल्म में संशोधन करने पर केंद्र के फैसले तक उसकी की रिलीज पर रोक जारी रहेगी।

इससे पहले नौ जुलाई को शीर्ष अदालत ने फिल्म के रिलीज पर रोक के लिए दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने मोहम्मद जावेद की याचिका पर तत्काल विचार करने से इनकार किया था, लेकिन उनकी ओर से पेश अधिवक्ता से कहा था कि वो 14 जुलाई को (गर्मी की छुट्टियों के बाद) अदालतें फिर से सामान्य रूप से खुलने पर मामले का उल्लेख कर सकते हैं।

राष्ट्र सेवा की प्रेरणा का प्रतीक है केजीएमयू: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री योगी ने केजीएमयू में 941 करोड़ की 7 परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) परिसर में 941 करोड़ की लागत से निर्मित 7 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने वॉर्ड में जाकर मरीजों का हालचाल लिया और डॉक्टरों से संवाद कर भावी स्वास्थ्य विस्तार की योजनाओं पर भी चर्चा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह सिर्फ एक संस्थान नहीं, बल्कि एक युग की चिकित्सा परंपरा और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा का प्रतीक है। 120 वर्ष की अपनी इस शानदार यात्रा में केजीएमयू ने अनेक मील के पत्थर गढ़े हैं। यह यात्रा सामान्य नहीं रही। इसने पिछली सदी की महामारी से लेकर कोविड-19 जैसी वैश्विक त्रासदी का मुकाबला कर प्रदेश और देश का मार्गदर्शन किया। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि यह संस्थान महामारी काल में अग्रणी रहा, चिकित्सा शिक्षा के विस्तार में सहायक बना और अब टेक्नोलॉजी के साथ भविष्य के लिए तैयार हो रहा है। आज जब 941 करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, तो यह महज निर्माण नहीं, बल्कि स्वस्थ उत्तर प्रदेश, समर्थ भारत'' की दिशा में एक नए युग की शुरुआत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोविड-19 का प्रकोप प्रारंभ हुआ था, उस समय केजीएमयू प्रदेश का पहला संस्थान था, जहां कोविड जांच की सुविधा शुरू की गई। पहले 100 कोविड संदिग्ध मरीजों की जांच यहीं से प्रारंभ हुई थी। इसी साहसिक और त्वरित पहल से यूपी ने समय रहते महामारी से मुकाबले की रणनीति विकसित की।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए तीसरे दौर की डोर-टू-डोर प्रक्रिया जल्द

नई दिल्ली। बिहार में चल रहे मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत अब तक 83.66 प्रतिशत मतदाताओं के एन्युमरेशन फॉर्म (ईएफ) एकत्रित किए जा चुके हैं। कुल 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 6.60 करोड़ लोगों ने फॉर्म जमा किए हैं। तीसरे दौर की डोर-टू-डोर प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने वाली है। चुनाव आयोग ने सोमवार को बयान में इसकी जानकारी दी। आयोग के अनुसार दो चरणों की व्यापक समीक्षा के बाद 4.52 मृत, स्थानांतरित या दो जगह नामांकित पाए गए हैं। इनमें 1.59 प्रतिशत मतदाता मृत पाए गए, 2.2 प्रतिशत स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए और 0.73 प्रतिशत दो जगह नामांकित पाए गए।

सांस्कृतिक जागरण और तकनीकी प्रगति साथ-साथ चल सकती है : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सांस्कृतिक जागरण और तकनीकी प्रगति एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि एक साथ चल सकते हैं। उन्होंने यह बात नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भारत विकास परिषद के 63वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही।

अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ लोग पूछते हैं कि राम मंदिर से क्या लाभ होगा, लेकिन वे नहीं समझते कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और तकनीकी उन्नति साथ-साथ हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर भी बनवाया और 5जी नेटवर्क व डिजिटल पेमेंट जैसी सुविधाएं गांव-गांव तक पहुंचाई हैं। शाह ने भारत विकास परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था सेवा, संगठन और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि ल्ल63 वर्षों तक निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करना किसी तपस्या से कम नहीं है।

जयशंकर ने की चीनी विदेश मंत्री वांग यी से वार्ता

एजेंसी

बीजिंग। भारत ने चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक प्रगति बनाये रखना दोनों देशों की साझा की जिम्मेदारी बताते हुए आज आशा व्यक्त की कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति को दृढ़ता से बरकरार रखा जाएगा।

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने यहां अपने चीनी समकक्ष वांग यी से द्विपक्षीय बैठक की जिसमें दोनों नेताओं ने आपसी मुद्दों और वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और इस बात पर भी जोर दिया कि भारत एवं चीन को पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ावा देने तथा प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों और बाधाओं से बचने की जरूरत है।

डॉ. जयशंकर ने अपने शुरुआती वक्तव्य में द्विपक्षीय संबंधों में हालिया सकारात्मक प्रगति को बनाए रखने और सीमावर्ती मुद्दों के समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि हम अपने संबंधों के प्रति एक दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएँ और रणनीतिक संचार को नियमित करें। इस स्थिर और रचनात्मक संबंधों से ही विश्व को लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि यह तभी संभव है जब पारस्परिक तौर पर सम्मान, हित और संवेदनशीलता बनायी रखी जाये। विदेश मंत्रालय की ओर से जयशंकर के उद्घाटन वक्तव्य को जारी किया गया है। वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन पहुंचे हैं।

सावन के पहले सोमवार को काशी सहित प्रदेशभर के शिवालयों में गूंजा हर हर महादेव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● काशी बाबा का जलाभिषेक को आए श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा

● लखनऊ व प्रयागराज के शिवालयों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

वाराणसी। सावन माह के पहले सोमवार को बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी, राजधानी लखनऊ सहित पूरा प्रदेश में महादेव की आराधना की धूम दिखी। प्रदेशभर के प्रमुख शिव मंदिरों में कांवड़ियों और शिवभक्तों का सैलाब उमड़ा और हर हर महादेव और बोल बम के उद्घोष से पूरा इलाका गूंजता रहा। प्रशासन ने मंदिरों के आसपास सुरक्षा और सुविधा के व्यापक प्रबंध किये।

धर्मनगरी काशी में चंहुओर कंकर-कंकर शंकर का नजारा दिखा है। भक्तों की सुविधा के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह से पूजन-अर्चन का सजीव प्रसारण हो रहा। आज भोर में 3:30 बजे बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग की विधिविधान से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य श्रृंगार कर मंगला आरती हुई। इसके बाद मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धा की अटूट कतार स्वर्णिम दरबार के दरस-परस के लिए उमड़ पड़ी। दरबार में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का झांकी दर्शन कर शिवभक्त अपने घर परिवार, देश, समाज में सुख शान्ति की कामना की। कतारबद्ध शिवभक्तों ने मंदिर के स्वर्णमंडित गर्भगृह के बाहर लगे पात्र से ज्योर्तिलिंग का जलाभिषेक किया। मंदिर में बाबा का झांकी दर्शन और धाम का नव्य, भव्य और विस्तारित स्वरूप देख शिवभक्त और कावंड़िये आह्लादित दिखे और हर-हर महादेव का परम्परागत कालजयी उद्घोष करते दिखे। हर-हर, बम-बम के बोल संग गूंजती कांवड़ियों की टोली और आस्थावानों की कतार गोदौलिया से लगातार दरबार में दर्शन-पूजन के लिए आगे बढ़ती रही। सावन के पहले सोमवार को देखते हुए पूरे मंदिर परिक्षेत्र में सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया। चप्पे-चप्पे पर चौकसी बरती जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एटीएस के कमांडो तैनात किए गये।

इसके पहले रविवार देर शाम से ही दर्शन पूजन के लिए खड़े शिवभक्त और कावंड़िये बाबा की एक झलक पाने के लिए बेताव दिखे। कतारबद्ध शिवभक्तों पर जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, पुलिस ?कमिश्नर मोहित अग्रवाल, मंदिर के सीईओ विश्व भूषण सहित प्रमुख अफसरों ने पुष्प वर्षा की। कांवड़िये दशाश्वमेध घाट पर गंगा स्नान के बाद पात्रों में जल भरकर मंदिर में दर्शन पूजन के लिए लाइन में लग रहे हैं। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार धाम तक बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए मैदागिन और गोदौलिया से ई-रिक्शा व व्हीलचेयर की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। उधर, सावन के पहले सोमवार पर ही काशी के अन्य प्रमुख शिवालयों कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव, महामृत्युजंय, शूलटंकेश्वर महादेव, तिलभाण्डेश्वर महादेव, गौरी केदारेश्वर महादेव, त्रिलोचन महादेव, रामेश्वर महादेव, कर्मदेश्वर महादेव, सारंगनाथ, गौतमेश्वर महादेव, बीएचयू विश्वनाथ मंदिर, ओमकालेश्वर महादेव, लाटभैरव सहित सभी छोटे-बड़े शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है।

पीड़ित युवतियों का आरोप- भारत को इस्लामिक देश बनाना चाहता था छांगुर बाबा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। हजारों हिंदू लड़कियों को फंसाकर धर्मांतरण कराने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को लेकर रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। अब कुछ पीड़ित युवतियों ने आरोप लगाया है कि छांगुर बाबा और उनके सहयोगी भारत को इस्लामिक देश बनाने का षडयंत्र रच रहे थे। पीड़ित युवतियों का कहना है कि उनकी घर वापसी के बाद उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उन्हें सरकार सुरक्षा उपलब्ध कराये। सोमवार को लखनऊ में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के जिलाध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में कुछ पीड़ित युवतियों ने पत्रकार वार्ता के दौरान आपबीती बयां की। पीड़ित युवतियों ने छांगुर और उसके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उन्हें धमका, प्रेमजाल में फंसाकर, पैसों का प्रलोभन देकर उनका धर्मांतरण कराया गया।

धर्मांतरण में फंसी लड़कियों ने पत्रकार वार्ता कर सरकार से लगाई सुरक्षा की गुहार

पीड़ित युवती ने पीड़ित ने मीडिया को छांगुर की काली करतूतों को बयां करते हुए बताया कि वह औरैया जिले की रहने वाली है। पिछले वर्ष की बात है, जब अपने पिता की शराब लत को छुड़ाने के परेशान थी। इसी दौरान मेराज नाम के युवक ने अपना रूद्र शर्मा बताते कहा कि वह उसके पिता की शराब छुड़वा देगा। युवती ने बताया कि मेराज उर्फ रूद्र ने उसके परिवार को छांगुर बाबा से लखनऊ में मिलवाया। छांगुर ने उसे ताबीज देकर दुआ पढ़ी थी। इसके कुछ दिन बाद मेराज उर्फ रुद्र शर्मा उनके घर आया और कानपुर में आए झांगुर बाबा से मिलाने के लिए उसे अपने साथ ले गया। युवक उसे कानपुर न ले जाकर फतेहपुर बिन्दकी की एक मस्जिद में ले गया, जहां उसका जबरन निकाह कराया गया। तब उसे पता चला कि युवक का असली नाम रुद्र नहीं मेराज है। उसने उसे इस्लाम कबूल करवाते हुए उसका जैनब नाम रखा। उसे तीन महीने अपनी कैद में रखा और उसके साथ जबरदस्ती की। इसके बाद वह किसी तरह वह वापस अपने घर आई तो मेराज आ गया। युवती का आरोप है कि मेराज ने उससे जुड़ी फोटो और वीडियो दिखाई और कहा कि उसकी छोटी बेटी की भी शादी करवा दो। इसी बहस में लड़की के पिता ने मेराज के सिर में लोहे की रॉड मार दी, जिससे मेराज की मौत हो गई। इसके बाद उसके मां-बाप को जेल भेज दिया गया। युवती ने पत्रकारों को बताया कि अपने साथ हुई घटना को लेकर पीड़ित मेराज के खिलाफ केस दर्ज कराने गई तो औरैया पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। क्योंकि उसके पिता रियाज सपा से बिन्दकी नगरपालिका क्षेत्र में सभासद का चुनाव लड़ चुका है। उसने बताया कि जब छांगुर गैंग का खुलासा हुआ तब उसने हिंदू संगठन की मदद से अपनी बात कहने के लिए लखनऊ पहुंची। मीडिया से युवती ने बताया कि आज भी उसे धमकियां मिल रही है। माता-पिता के जेल जाने के बाद उसके भाई-बहन कई दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। वह कोर्ट केस भी लड़ रही है।

किसी को प्रेम में तो किसी धमका कर कराया धर्मांतरण

पत्रकार वार्ता में अन्य पीड़ित युवतियों ने बताया कि छांगुर बाबा के गिरोह में शामिल लड़के पहले तो अपनी बातों या प्रेमजाल में फंसाकर उनसे शादी का प्रस्ताव रखते हैं। जब लड़किया राजी हो जाती हैं, तो उन्हें मस्जिद में ले जाकर उनका धर्मांतरण कराते हैं। यदि कोई लड़की नहीं राजी होती है तो गंदी वीडियो व फोटो को वायरल करने की धमकी देकर उनका धर्मांतरण कराते हैं। उनका शारीरिक शोषण किया जाता है।

धर्मांतरण के लिए तय थी रेट लिस्ट

पीड़ित युवतियों ने आरोप लगाया कि हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने के लिए वहां रेट लेस्ट बनी थी। पीड़ितों का कहना है कि एजेंटों को हिन्दू धर्म के ब्राह्मण, सरदार अथवा क्षत्रिय की लड़की को इस्लाम स्वीकार कराने पर पन्द्रह से सोलह लाख रुपये मिलते थे। पिछड़ी जाति की लड़की के लिये दस से बारह लाख और अन्य जाति की लड़कियों को आठ से दस लाख रुपये मिलते थे। घर वापसी करने के बाद पीड़ित लड़कियों का कहना है कि उनको धमकियां मिल रही हैं। वे सरकार से मांग करती है कि उन्हें और उनके परिवार को सुरक्षा मुहैया करायी जाए।

विदेशों आने वाले पैसों का लेखा-जोखा नसरीन के पास

पीड़ित युवतियों ने बताया कि छांगुर बाबा का यूपी हीं नहीं बल्कि सऊदी अरब समेत कई देशों में कनेक्शन है। उसके एजेंट इन देशों में रहकर धर्मांतरण का काम करा रहे हैं। वहीं उनकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन उसका पति नवीन रोहरा उर् जमालुद्दीन समेत कई सहयोगी विदेश व इस्लामिक देशों यात्रा कर चुके हैं। विदेशों आने वाले पैसों का लेखा-जोखा नसरीन रखती थी। उनके 40 बैंक खातों में सौ करोड़ से अधिक का लेनदेन हुआ है। नीतू और नवीन के खातों में 32 करोड़ रुपये है। एजेंटों को चेक और कैश पैसे का भुगतान होता था।

लड़कियों व जिलाध्यक्ष को मिल रही धमकियां

पत्रकार वार्ता में वीएचपी जिलाध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि वे सनातन को मजबूत करने के लिए लोगों की घर वापसी कराते रहेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलने की कोशिश की है, लेकिन अभी मुलाकात नहीं हो सकी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ ऐसी घटनाएं हैं, जो थाना, तहसील पर होती हैं और गरीबों की सुनवाई नहीं होती है। औरैया की लड़की के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है।

बिहार में कानून व्यवस्था चौपट एक करोड़ रोजगार देने का ऐलान सिर्फ छलावा: मायावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को बिहार की गठबंधन सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। मुख्यमंत्री का एक करोड़ नौकरियां देने का वादा महज़ एक जुमला और चुनावी छलावा है। मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदहाल है। राज्य की घटनाओं पर राष्ट्रीय स्तर पर हो रही चर्चाओं के बीच लोगों का ध्यान भटकाने के लिए बिहार की गठबंधन सरकार ने घोषणा की है कि अगर चुनाव के बाद उनकी सरकार बनती है, तो वे अगले पांच सालों में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोज़गार देंगे। मायावती ने लिखा कि उनका मानना है कि नीतीश कुमार ने लोगों को नौकरी और रोज़गार देने की घोषणा वास्तविकता से कोसों दूर है। यह 'अच्छे दिन' की तरह एक जुमलाबाज़ी और चुनावी जुमला ज़्यादा है। जनता विभिन्न राजनीतिक दलों के चुनावी वादों, घोषणाओं और छल-कपट के साथ-साथ कानून-व्यवस्था और क्रियाकलापों आदि के बारे में उनके चाल, चरित्र और चेहरे से भली-भांति परिचित हैद्य फिर भी छल-कपट और कपटपूर्ण राजनीति की अपनी आदत से मजबूर विपक्षी दल चुनाव से पहले ऐसे अनेक लोकलुभावन वादे करने से ज़रा भी नहीं डरते या घबराते हैं। उन्होंन कहा कि बिहार की वर्तमान गठबंधन सरकार का नौकरी और रोज़गार का वादा उनके अन्य वादों से कहीं अधिक मेल खाता है, जिसे जनता वास्तव में अपने अब तक के अनुभव के आधार पर जानती है। निश्चित रूप से बिहार की जनता सोच-समझकर एक गरीब-हितैषी और जन-हितैषी सरकार चुनेगी, बशर्ते चुनाव पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष हों, बाहुबल, धनबल और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से मुक्त हों। सभी गरीबों, मज़दूरों और अन्य मेहनतकश लोगों को मतदान का उचित अवसर मिले। उम्मीद है कि चुनाव आयोग इसका पूरा ध्यान ज़रूर रखेगा।

10.29 करोड़ की ड्रग्स के साथ बाप-बेटे समेत 4 गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ की ठाकुरगंज पुलिस व नारकोटिक्स की संयुक्त कार्रवाई में चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। तस्करों के पास से 10 करोड़ की कीमत का स्मैक व गांजा बरामद हुआ है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक महिला व चार पुरुषों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य नेटवर्क की जांच चल रही है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज श्रीकांत राय ने बताया कि रविवार को ग्राम गऊ घाट इलाके में गांजा व स्मैक तस्करों की सूचना मिली। जिसके बाद एएनटीएफ यूनिट व ठाकुरगंज पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर चार लोगों को 252 ग्राम चरस, 1.015 किलोग्राम मार्फिन, 6 ग्राम मैफ़ेड्रान, 5.5 किलोग्राम गांजा के हिरासत में लिया। जिसकी कीमत करीब 10करोड़ 29 लाख है। पूछताछ में आरोपियों की पहचान गऊघाट ठाकुरगंज निवासी नेहा निषाद (24) पत्नी लक्की निषाद, आयुष (20) पुत्र श्रवण कुमार, श्रवण कुमार (65) और नाना चक्की के पास थाना सहादतगंज निवासी सुफियान (20) पुत्र सिकंदर के रूप में हुई।

सपा का स्कूल मर्जिंग के खिलाफ प्रदर्शन, नेताओं को पुलिस टांगकर ले गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी का विरोध प्रदर्शन। स्कूलों के मर्जर के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। हजरतगंज चौराहे पर सपा नेता विजय सिंह की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी किया। मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए ,शिक्षा मंत्री मुर्दाबाद का नारा लगाया। इस दौरान पुलिस से जमकर नोकझोंक हुई। कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए जमकर हंगामा और विरोध किया। पुलिस और कार्यकर्ताओं में जमकर नोकझोंक हुई। विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बहस और झड़प हुई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पहले रेल बेच दिया, एयरपोर्ट बेच दिया। अब सरकारी स्कूलों में भी मर्जर के नाम पर ताला लगा रहे हैं। विजय ने कहा कि अगर स्कूल बना नहीं सकते तो स्कूलों को बंद तो न किया जाए। हमें मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए। सरकार पेंशन बंद करने को भलाई बताती है। यह जानते हैं कि अगर इस देश के बच्चे पढ़ लिख गए तो सवाल पूछेंगे। सरकार सवालों के घेरे में आने से बचने के लिए स्कूल बंद कर रही है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि स्कूलों को बंद करके मधुशाला खोला जाए। प्रदर्शकारियों ने कहा कि यह सरकार गरीब और छात्र विरोधी है। प्रदेश में 27 हजार से अधिक स्कूलों का मर्जर हो रहा है जो की बेहद अफसोस नाक है। छात्रों को बेहतर सुविधा देने के बजाय स्कूलों पर ताला लगा कर शिक्षा से दूर कर रही है। स्कूल मर्जर के खिलाफ हमारा ये आंदोलन जारी रहेगा। स्कूल मर्जर से छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा इसके साथ ही सैकड़ो की संख्या में शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे। सरकार आम जनता के साथ धोखा कर रही है।

10 827 स्कूलों का विलय,खाली भवन में चलेंगे आंगनबाड़ी केंद्र

लखनऊ। यूपी में कम नामांकन वाले 10827 परिषदीय विद्यालयों का बेसिक शिक्षा विभाग ने विलय यानि पेयरिंग किया है। अब इन विद्यालयों के खाली भवनों में आंगनबाड़ी केंद्र शिफ्ट होंगे। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सर्वे कराएगा। विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने इस संबंध में सभी डीएम को पत्र भेजा है।उन्होंने कहा, वर्तमान में विद्यालय परिसर में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र को बाल वाटिका घोषित किया गया है। पेयरिंग के बाद खाली विद्यालय भवनों का प्रयोग बाल वाटिका के रूप में किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार खाली हुए विद्यालय भवनों में आंगनबाड़ी केंद्रों को शिफ्ट करने के लिए जिला स्तर पर सर्वे होगा। सीडीओ की अध्यक्षता वाली कमेटी बनेगी। इसमें बीएसए, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीईओ, बाल विकास परियोजना अधिकारी भी शामिल होंगे। इनको 15 दिन में सर्वे पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

राहुल गांधी का लखनऊ का संभावित दौरा आज, शुभांशु शुक्ला के परिवार से मुलाकात की चर्चा

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार, 15 जुलाई को लखनऊ दौरे पर आ सकते हैं। यह दौरा राजनीतिक और कानूनी दोनों ही दृष्टियों से अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी का यह दौरा एकदिवसीय हो सकता है, हालांकि कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि अभी पार्टी की ओर से नहीं की गई है। राहुल गांधी के इस दौरे की एक अहम वजह लखनऊ की एक अदालत में होने वाली सुनवाई है। उन्होंने भारतीय सेना को लेकर जो कथित विवादास्पद टिप्पणी की थी, उसी मामले में मंगलवार को कोर्ट में सुनवाई निर्धारित की है। बीते कुछ मौकों पर वे अदालत में पेश नहीं हुए, जिससे नाराज होकर वादी पक्ष ने गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लयू) जारी करने की मांग की थी। अब संभावना जताई जा रही है कि इस बार राहुल गांधी खुद अदालत में पेश हो सकते हैं। अपने दौरे के दौरान राहुल गांधी भारतीय वायुसेना के अधिकारी शुभांशु शुक्ला के घर भी जा सकते हैं। शुभांशु हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से लौटे हैं और वे भारतीय वायुसेना के पहले ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ पार्षदों का प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पार्षदों ने नगर आयुक्त के खिलाफ धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। पार्षदों का कहना है कि डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समय दिया। उनसे मिले, लेकिन नगर आयुक्त को समय नहीं मिल रहा है। पार्षदों का उत्पीड़न किया जा रहा। उनका अपमान किया जा रहा। नगर निगम के विकास कार्यों पर विराम लगा हुआ है। नगर निगम की जिम्मेदारी नगर आयुक्त नहीं समझ पा रहे हैं। लापरवाही अधिकारी बरत रहे हैं और मुकदमा पार्षद के खिलाफ हो रहा है। पार्षद नगर आयुक्त हाय हाय, नगर आयुक्त की तानाशाही नहीं सहेंगे, नगर आयुक्त पार्षदों का उत्पीड़न बंद करो, नगर निगम प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लग रहे हैं। पार्षद कह रहे हैं कि राधा ग्राम में नाले में बहने से हुई सुरेश की मौत के मामले में नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही है। अधिकारियों ने अपनी गर्दन बचाने के लिए गलत ढंग से स्थानीय पार्षद सीबी सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। सीबी सिंह तो पहले से ही नगर निगम के अधिकारियों से टूटे स्लैब को सही कराने की मांग कर रहे थे। उनके खिलाफ मुकदमा क्यों दर्ज किया गया है? अधिकारी अपनी कमियों को छिपा रहे हैं। अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

यूपी पंचायत चुनाव: परिसीमन प्रक्रिया पूरी, आरक्षण बाकी

लखनऊ। जुलाई।उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव के लिए ग्राम पंचायतों के नए परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब अगले चरण में आरक्षण को लेकर तैयारी है,जिसे देखते पंचायती राज विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने राज्य ग्रामीण निकास समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन के लिए छह सदस्यीय आयोग का प्रस्ताव शासन को भेजा है। आयोग की जनसंख्या को लेकर रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण प्रक्रिया को बढ़ाने की बात कही गई है। पंचायती राज विभाग द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर कैबिनेट की बैठक में अंतिम मुहर लगेगी जिसमें आयोग की जनसंख्या संबंधी रिपोर्ट के आधार पर ग्राम, क्षेत्र और जिला पंचायत चुनावों में आरक्षण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद आयोग का गठन होगा और जनसंख्या का डाटा तैयार किया जाएगा। जिसके बाद त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तारीखों का ऐलान हो सकेगा।यूपी में अगले साल अप्रैल मई के महीने में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हो सकते हैं जिसे लेकर विभाग द्वारा तमाम तैयारी की जा रही है।ग्राम सभाओं के नए परिसीमन में 504 ग्राम पंचायतें कम हो गई है,जिसके बाद अब ग्राम पंचायतों की संख्या घटकर 57695 हो गई है।अब आरक्षण का काम किया जाना है।इस प्रक्रिया में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत, जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत सदस्यों समेत अन्य पदों को लेकर आरक्षण किया जाना है।इसी को देखते छह सदस्यीय आयोग के गठन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद जनसंख्या डाटा का संकलन होगा जिसे देखते हुए सीटों पर आरक्षण तय होगा।

अखिलेश के भाई प्रतीक से 5 करोड़ की रंगदारी मांगी, पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव के साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने गौतमपल्ली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें कहा कि चिनहट में रहने वाले कृष्णानंद पांडेय नाम के व्यक्ति ने एक कंपनी बनाई। यह कंपनी प्रॉपर्टी का काम करती थी। कृष्णानंद पांडेय ने उनसे करोड़ों रुपए निवेश के नाम पर ठग लिए। जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे, तो बहाने करने लगा। काफी दिन तक उसने पैसे वापस नहीं किए। जब प्रतीक ने सख्ती की, तो पॉस्को एक्ट में फंसाने और फ़ेक ऑडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। यही नहीं, प्रतीक से 5 करोड़ की रंगदारी भी मांगी। प्रतीक सपा संस्थापक मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। वह अपर्णा यादव के पति हैं। अपर्णा ने विधानसभा चुनाव से पहले सपा छोड़कर भाजपा जॉइन कर ली थी। वह अभी उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। प्रतीक ने पुलिस को बताया 2011-12 में मेरी मुलाकात कृष्णानंद पांडेय से हुई थी। वह कई बार बिजनेस का प्रस्ताव लेकर आया। करीब दो-तीन साल लगातार मेल-जोल बढ़ाने पर मैं कृष्णानंद पांडेय की बातों में आ गया। उसने कहा कि लखनऊ का विस्तार हो रहा है। हम लोग शहीद पथ के आसपास जमीन खरीद लें। जिसको आगे चलकर बढ़ी कीमत में बेच कर बड़ा मुनाफा कमाया जा सकता है। कृष्णानंद के रियल स्टेट कारोबार में जुड़े होने से मैं उसकी बातों में आ गया। इसके बाद एक कंपनी 25 मई, 2015 को बनाई। इसमें कृष्णानंद पांडेय और यूएस विस्ट को निदेशक बनाया गया। खुद कंपनी में प्रमोटर के तौर पर शामिल हुआ। इसके बाद कंपनी में हैसियत से निवेश किया। हालांकि, जब मैंने अपना पैसा वापस मांगा तो वह बहाना बनाने लगा। यही नहीं, मुझे फंसाने की भी धमकी दी। प्रतीक ने बताया आरोपी कृष्णानंद पांडेय ने पहले मुझसे स्टाफ की तरह नजदीकी बढ़ाई। मेरे बिजनेस के बारे में जानकारी जुटाई। फिर कभी अपनी आर्थिक स्थिति और पारिवारिक समस्याओं का हवाला देकर उधार मांगने लगा। उसकी बातों में आकर मैंने कई बार उसे पैसे दिए। साल 2020 में मैं कोविड की चपेट में आ गया, जिसका असर मेरी शारीरिक और मानसिक स्थिति पर पड़ा। तबीयत बिगड़ने लगी। इसी दौरान सितंबर 2022 में मां का, अक्टूबर 2022 में पिता का और नवंबर 2022 में मामा का निधन हो गया। इससे मुझे गहरा मानसिक आघात लगा और मेरी सेहत और बिगड़ गई। मेरा इलाज मेदांता अस्पताल में चलने लगा। इसी का फायदा उठाकर कृष्णानंद पांडेय मुझसे पैसे लेने के लिए तरह-तरह की बातें करने लगा। इस साजिश में उसकी पत्नी वंदना पांडेय और पिता अशोक कुमार पांडेय भी शामिल रहे। प्रतीक यादव ने बताया कि तबीयत ठीक होने पर सूत्रों से जानकारी मिली कि कृष्णानंद पांडेय एक गलत आदमी है। वह साजिश के तहत मेरे करीब आया और मेरे संपर्कों का दुरुपयोग किया। जब मैंने उससे हिसाब मांगा, तो वह टालमटोल करने लगा। बाद में उसने मुझे पॉक्सो एक्ट जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी ईमेल और वॉट्सऐप पर दी।

संजय शर्मा ने दिलीप सिन्हा मामले में एफआईआर, एसआईटी जांच, पत्रकार सुरक्षा और मुआवजे की मांग की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। देश के प्रमुख कानूनी अधिकार कार्यकर्ता संजय शर्मा ने वरिष्ठ पत्रकार दिलीप सिन्हा की संदिग्ध मौत के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। संजय शर्मा ने राज्य के विभिन्न विभागों को कई आरटीआई आवेदन और शिकायतें भेजकर इस मामले को स्पष्ट रूप से हत्या का मामला बताया है और पत्रकारों के खिलाफ चल रहे ब्लैकमेलिंग गिरोहों की जांच की मांग की है। संजय शर्मा द्वारा उठाई गई मुख्य मांगें में दर्ज कर निष्पक्ष जांच हो,दिलीप सिन्हा की मौत के मामले में हत्या, साजिश और उकसावे सहित भारतीय,न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।दर्ज एफआईआर, जांच अधिकारी और जांच रिपोर्ट की प्रमाणित प्रतियां सार्वजनिक की जाएं।,सीसीटीवी फुटेज, बस रूट रिकॉर्ड, ड्राइवर ड्यूटी चार्ट और फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर गहन जांच की जाए कि यह दुर्घटना पूर्वनियोजित थी या नहीं। दिलीप सिन्हा द्वारा की गई सभी लंबित शिकायतों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया जाए। एसआईटी को सभी नामजद व्यक्तियों और ब्लैकमेलिंग गिरोह के सरगनाओं की निष्पक्ष जांच और अभियोजन का अधिकार दिया जाए। उन ब्लैकमेलरों और उनके नेताओं के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए, जिन्होंने दिलीप सिन्हा और अन्य पत्रकारों को झूठी शिकायतों और सोशल मीडिया अभियानों के जरिए बदनाम और प्रताड़ित किया। दोषियों के खिलाफ ठछै और प्ज एक्ट के तहत ब्लैकमेलिंग, आपराधिक धमकी, मानहानि और साजिश के आरोपों में मुकदमा चलाया जाए। दिवंगत दिलीप सिन्हा के परिजनों को उनकी पत्रकारिता सेवा और परिवार को हुई क्षति के मद्देनजर 5 करोड़ (पाँच करोड़ रुपये) का मुआवजा दिया जाए। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और सुरक्षा कवर प्रदान किया जाए। पत्रकारों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, विशेषकर उन पत्रकारों के लिए जो धमकी, ब्लैकमेलिंग या लक्षित हिंसा के शिकार हैं। प्रेस स्वतंत्रता को कमजोर करने वाले व्यक्तियों और गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वरिष्ठ पत्रकार दिलीप सिन्हा की मौत उस समय हुई जब उनकी स्कूटी को लोहिया पथ, जियामऊ के पास एक तेज रफ्तार यूपीएसआरटी बस ने टक्कर मार दी। बस चालक मौके से फरार हो गया। दिलीप सिन्हा के पास सिर्फ एक कलम और प्रेस कार्ड मिला, जो उनकी पत्रकारिता के प्रति समर्पण का प्रतीक था। वे हाल ही में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। इस घटना से पत्रकारिता जगत में शोक और आक्रोश की लहर है। दिलीप सिन्हा ने पहले भी ब्लैकमेलिंग गिरोहों के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराई थीं, जिन पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि इन गिरोहों ने सैकड़ों वरिष्ठ और महिला पत्रकारों की प्रेस मान्यता समाप्त कराने और उन्हें सोशल मीडिया पर बदनाम करने का षड्यंत्र रचा। संजय शर्मा की शिकायतों में कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। क्या बस निर्धारित रूट पर थी और उसका ड्राइवर कौन था? सीसीटीवी फुटेज में क्या सामने आया? हाई सिक्योरिटी जोन में बस चालक कैसे फरार हुआ? ब्लैकमेलिंग और उत्पीड़न की पूर्व शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई? संजय शर्मा ने संबंधित विभागों को आरटीआई आवेदन भेजकर एफआईआर, जांच रिपोर्ट और कार्रवाई की जानकारी मांगी है। पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव को शिकायतें भेजकर एफआईआर दर्ज कराने, एसआईटी गठन और मुआवजा देने की मांग की है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को लंबित मामलों की एसआईटी जांच के लिए आवेदन दिया है। संजय शर्मा की पहल यह दर्शाती है कि पत्रकारों की सुरक्षा, पारदर्शी जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता है। एसआईटी गठन, ब्लैकमेलरों पर सख्त कार्रवाई और दिवंगत पत्रकार के परिवार को मुआवजा देने की मांगें न केवल न्याय की पुकार हैं, बल्कि प्रेस स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भी जरूरी हैं। यह मामला प्रदेश में पत्रकारिता की सुरक्षा और स्वतंत्रता के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया है, जिस पर पूरे राज्य की नजरें टिकी हैं।

सावन का पहला सोमवार शिव मंदिरों में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

लखनऊ। सावन महीने के पहले सोमवार को प्रदेश की राजधानी के सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का जलाभिषेक जारी है। राजधानी लखनऊ के नागेश्वर महादेव, मुक्तेश्वर महादेव ,चंद्र महादेव सहित अन्य मंदिरों में सुबह से ही भीड़ लगी हुई है। बीकेटी में बने प्राचीन शिव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली है। सावन के पहले सोमवार को लेकर नागेश्वर महादेव मंदिर पर उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब। हजारों की संख्या में पहुंच रहे भक्तगण। बूढ़े बच्चे महिलाएं पुरुष सभी कतार में लगकर कर रहे दर्शन। 1 किलोमीटर के लगभग लगी लम्बी कतार। प्रशासन का मानना 1 लाख की संख्या में भक्त करेंगे बाबा के दर्शन। सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद। सावन मास के पहले सोमवार मुक्तेश्वर महादेव मंदिर पर शिव भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही 'बम बम भोले' और 'हर हर महादेव' के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने मंदिर परिसर को आस्था के रंगों से सराबोर कर दिया। भोर होते ही श्रद्धालुओं का मंदिर की ओर आना शुरू हो गया।

श्रावण के प्रथम सोमवार को डीएम व एसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। श्रावण के प्रथम सोमवार को जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक ने विकास खण्ड बावन के सकाहा शिव मंदिर में मेले और काँवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को देखने पहुँचे। उन्होंने मेले में आये हुए लोगों से बात की। जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला स्थल पर साफसफाई की व्यवस्था चाक चौबंद रखी जाये। पेयजल की व्यवस्था निर्बाध रखी जाये। मेले में आने वाले भक्तों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाये। मेले में भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था सुचारु रखी जाये। मेला स्थल पर मेडिकल टीम की तैनाती रखी जाये। एम्बुलेंस की व्यवस्था रखी जाये। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही न की जाये। पुलिस टीम लगातार अपने तैनाती स्थल पर मुस्तैद रहें। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गन्ना सर्वेक्षण के बारे में किसानों से की गई चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। चीनी मिल हरियावां के गांव सारीपुर छछेटा व सिकरोहरी में उप गन्ना आयुक्त लखनऊ उषा पाल व जिला गन्ना अधिकारी निधि गुप्ता ने दोनों गावों में गन्ना सर्वेक्षण कार्य की जांच की।

उक्त दोनों गावों मे उपस्थित कृषकों से गन्ना सर्वेक्षण के बारे में चर्चा की तथा साथ ही साथ दोनो गावों की सर्वेक्षण की जांच के उपरान्त अपना संतोष व्यक्त किया स इस मौके पर उपस्थित कृषकों से उप गन्ना आयुक्त महोदया ने गन्ना क्षेत्रफ्ल कम होने पर चिंता जाहिर की व इसके कारण के बारे मे जानकारी ली स साथ ही साथ कृषकों से आगामी शरद कालीन गन्ना बुवाई के लिए कहा। इस मौके पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक हरियावां संजय सिंह, सचिव हरदोई गेट अजय प्रताप सिंह, सचिव बघोली महेंद्र यादव, चीनी मिल हरियावां के महाप्रबंधक गन्ना संदीप सिंह व जल्लापुर रिजनल हेड रूप लाल व चीनी मिल के अन्य अधिकारी व करमचारी मौजूद रहे।

क्रीड़ा प्रभारी रामदयाल को जिला क्रीड़ा सचिव बनाया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद प्रसाद की अध्यक्षता में स्काउट गाइड भवन में जिला क्रीड़ा समिति की बैठक आहूत की गई जिसमें सत्र 2025-26 मे होने वाली विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं के विषय में विचार विमर्श किया गया विशेष बात यह रही कि आज वर्तमान जिला क्रीड़ा सचिव ने व्यक्ति गति कारणों वश अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हंसराज राज कुशवाहा गतवर्ष ही क्रीड़ा सचिव बने थे इनकी जगह सर्वसम्मति से आई०आर० इण्टर कालेज संडीला के क्रीड़ा प्रभारी रामदयाल को जिला क्रीड़ा सचिव बनाया गया।

इस अवसर पर श्याम नारायण यादव, अभिराम सिंह, गीता शुक्ला, सुमन द्विवेदी, सुनील कुमार सिंह, पंकज कुमार, सभी प्रधानाचार्य कृष्ण विहारी अवस्थी जिला व्यायाम शिक्षक बेसिक, इसके अलावा विभिन्न विद्यालयों के क्रीड़ा प्रभारी हेमा सिंह, मैना गुप्ता, मीनू वर्मा, दुर्गा, उमाशंकर, विवेक सिंह तथा पूर्व क्रीड़ा सचिव अवधेश कुमार त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

72 घन्टों से फुँका पड़ा ट्रांसफॉर्मर नहीं के रहा सुध बिजली विभाग

■ विद्युत विभाग की लापरवाही से ग्रामीण परेशान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। पावर हाउस हरियावाँ ग्राम सभा पीलामहुआ में 72 घंटों से फुँके पड़े ट्रांसफॉर्मर से गांव वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा निरीक्षण करने के बाद भी कोई सुधार नहीं हुआ है वहीं ग्रामीण सतीश सिंह, आशीष श्रीवास्तव, नरेश गौतम, हरिलाल, उस्मान आदि लोगों ने बताया है कि बिजली विभाग की घोर लापरवाही के चलते हमारे गाँव में कई वर्षों से केबल लाइन न होने के कारण लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है गाँव वालों का कहना है कि अगर इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द नहीं हुआ तो सब ग्रामीण मिलकर उग्र धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

द्वेष भावना से ग्रसित होकर कार्यवाही कर रही है भाजपा सरकारः अनुपम दीक्षित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ काशी जैसे धार्मिक मान्यता वाले शहर में आम जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है: अनुपम दीक्षित

हरदोई। शहर कांग्रेस कमेटी हरदोई द्वारा शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित के नेतृत्व में राज्यपाल को द्वारा जिला अधिकारी हरदोई ज्ञापन दिया गया।

शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा कि सनातन धर्म में काशी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है यह ऐसा पवित्र स्थान है जो प्रदेश ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देशवासियों के आस्था व विश्वास का प्रतीक है। काशी जैसे धार्मिक मान्यता वाले शहर में आम जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। सामान्य दिनों को छोड़िये सावन के इस पवित्र मास में भी श्रद्वालुओं की सुविधा का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। भाजपा की डबल इंजन सरकार फर्जी विकास का ढिंढोरा पीटती है और सिर्फ लुभावने नारे तक सीमित है। जनप्रतिनिधियों द्वारा आम जनता की तकलीफों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने पर दमनात्मक कार्यवाही की जा रही है और फर्जी मुकदमा दर्ज करवाकर लोकतंत्र को कुचलने का काम किया जा रहा है। जिसका ताजा उदाहरण 10 जुलाई 2025 को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री के नेतृत्व में वाराणसी के जिला एवं शहर अध्यक्ष सहित 10 कांग्रसेजनों के खिलाफ दर्ज कराया गया फर्जी मुकदमा है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी प्रदेश सरकार के इस अन्यायपूर्ण और अलोकतांत्रिक कार्यवाही का प्रतिकार करती है। पीसीसी सदस्य अमलेंद्र त्रिपाठी ने कहा ने कहा कि प्रदेश सरकार की संवैधानिक मुखिया होने के नाते राज्यपाल हम सभी कांग्रेसजन आपसे निवेदन करते हैं आप अविलम्ब अपने स्तर से हस्तक्षेप करते हुए 10 जुलाई 2025 को वाराणसी के सिगरा थाने में दर्ज फर्जी एफआईआर को रद्द कराने हेतु प्रदेश सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें एवं श्रावण माह में श्रद्वालुओं की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्था कराने का भी निर्देश जारी कराने की कृपा करें साथ ही कावड़ यात्रियों के लिए बीमा मुहैया करवाने की कृपा करे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ० राजीव कुमार सिंह लोध, जिला उपाध्यक्ष सत्यबोध प्रकाश, भुट्टो मियां जिला महासचिव आशुतोष गुप्ता अध्यक्ष हसन अहमद, इस्लाम गाजी, महिला जिला अध्यक्ष सुनीता देवी, दर्जनों लोग मौजूद रहे।

विवाहिता ने पति सहित पांच पर लिखाई दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी खुर्द निवासी विवाहिता ने पचदेवरा थाना क्षेत्र निवासी पति सहित पांच परिजनों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। विवाहिता प्रियंका पुत्री विनोद प्रकाश के अनुसार उसका विवाह 15 जून 24 को पचदेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम लखनौर निवासी संदीप पुत्र रामकुमार के साथ हुआ था।उसके पिता ने विवाह में काफी रुपए खर्च कर हैसियत अनुसार दहेज दिया था।विवाह के कुछ दिन बाद पतिएससुरएसास सेम्पीए ननद मोनिका और देवर अमन अतिरिक्त दहेज में सोने की चेन और दो लाख रुपए नगद की मांग को लेकर आए दिन उसे प्रताड़ित करने लगे।उसने ससुराल जनों की काफी अनुनय विनय की।लेकिन 7 जुलाई को विपक्षियों ने अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे काफी मारा पीटा और उसका पति बाइक से पहने हुए कपड़ों में उसे कोतवाली क्षेत्र के बेझा चौराहे पर उतार कर बिना दहेज के वापस आने पर जान से मार डालने की धमकी देकर चला गया।तब से वह पिता के घर रह रही है। विवाहिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टर राघवेन्द्र और शिक्षक आदित्य को अलग-अलग श्रेणी मे मिला नेल्सन मंडेला इंस्पायर अवॉर्ड 2025

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बालामऊ गाँव निवासी आयुर्वेदाचार्य और लेखक डॉ0 राघवेन्द्र कुमार और आदित्य त्रिपाठी, सहायक अध्यापक

प्राथमिक विद्यालय, प्रतापपुर, कोथावाँ, हरदोई को फेमस पीपुल्स इण्डिया वर्ल्ड की ओर से नेल्सन मंडेला इंस्पायर अवॉर्ड 2025 दिया गया है। दोनो सगे भाई हैं। यह पुरस्कार दोनो के द्वारा लिखी किताबों और सामाजिक कार्यों को देखते हुए दिया गया है। राघवेन्द्र

को इससे पहले 2019 मे शिक्षा क्षेत्र मे शून्य लागत आधारित नवाचार के लिए एचडीएफसी बैंक और श्री अरबिन्दो सोसाइटी के साथ 2024 मे पत्रकारिता और लेखन के लिए एशिया टैलेण्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। वहीं आदित्य को अन्तरराष्ट्रीय संस्था वैक बुक ऑफ रिकार्ड्स ने शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता की श्रेणी में बेस्ट टीचर अवॉर्ड 2023 और शैक्षिक लेखन के लिए एशिया टैलेण्ट अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया जा चुका है। राघवेन्द्र और आदित्य दोनो सैकड़ों राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों मे प्रतिभाग करने के साथ ही विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखते रहते हैं। विगत 15 वर्षों से दोनो भाई ह्यूमन वेलफेयर सोसायटी और महर्षि विवेकानन्द ज्ञानस्थली के साथ गरीब बच्चों को निःशुल्क पढ़ा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सई नदी संरक्षण अभियान से भी जुड़े हुए हैं और राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था लोकभारती के सई बचाने की मुहिम चला रहे हैं। दोनो की पहचान युवा लेखक व कवि के रूप मे भी है। उनकी कविताएं भी समय.समय पर प्रकाशित होती रहती हैं। राघवेन्द्र की दो हिन्दी और एक अंग्रेज़ी भाषा मे तथा आदित्य की भूले-बिसरे क्रांतिकारियों पर अंगरेज़ी मे एक किताब प्रकाशित हो चुकी है। अवॉर्ड मिलने पर आदित्य ने कहा कि कोई भी अवार्ड या समाज की ओर से एप्रिशिएशन और अच्छा करने को प्रेरित करता है।

अधेड़ महिला का शव खेत के कच्चे रास्ते पर पड़ा मिला

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अधेड़ महिला का शव खेत के किनारे कच्चे रास्ते पर पड़ा मिला। सिर व चेहरा बुरी तरह कुचलकर हत्या की गई। मौके पर पहुंचे एडिशनल एसपी व सीओ बिलग्राम ने घटना का निरीक्षण किया।फोरेंसिक टीम ने भी जांच की। थाना क्षेत्र के बिल्हौर कटरा मार्ग रुदामऊ से गौरा जाने वाले मार्ग से लखना पुर की ओर कच्चे रास्ते पर सोमवार की सुबह खेत मे काम करने वाले किसानों ने एक महिला का रक्त रंजित शव पड़ा मिला। शव को देखने के लिए आसपास गांव में सनसनी फैल गई। राहगीरों की भीड़ शव को पहचानने लगे। उसी भीड़ में पास के गांव इकसई निवासी राम औतार ने अपनी पत्नी गंगा उर्फ रानी के रूप में पहचान की। उसने बताया कि उसकी पत्नी रविवार की सुबह 9 बजे सण्डीला के सिंह हॉस्पिटल में भर्ती अपने भतीजे सूरज निवासी शाहपुर सरेरी थाना कासिमपुर को देखने गई थी। शाम लगभग 5 बजे बेटी रोशनी को मोबाइल से बताया कि वह बघौली चौराहा आ गई है वह जल्द घर आ जाएगी। उसके बाद उसका मोबाइल बन्द हो गया। राम औतार ने कहा वह रात में उसकी रास्ता देखता रहा लेकिन उसका पता नही चला। सुबह उसका शव मिला। शव देखने से लगता है कि उसकी किसी ने हत्या कर दी है। महिला का बैगएमोबाइल उसके साथ नही मिला।

मृतका की फाइल फोटो

लेखपाल संघ ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सोमवार को तहसील शाहाबाद के परिसर में लेखपाल संघ की उपशाखा शाहाबाद के अध्यक्ष वैभव त्रिपाठी के नेतृत्व में लेखपालों द्वारा जनपद हापुड़ में अधिकारियों द्वारा झूठी शिकायत पर निलंबित किये गए लेखपाल सुभाष मीणा द्वारा तनावग्रस्त होकर आत्महत्या किये जाने के प्रकरण में न्याय प्राप्ति हेतु व दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु 10 बजे से 2 बजे तक कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम तान्या सिंह को दिया गया। जिला हापुड़ में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आई एक शिकायत में लेखपाल सुभाष मीणा को बिना जांच कराए जिलाधिकारी द्वारा निलंबित कर दिया गया था जबकि वे निर्दोष थे। शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत वापस लेने ले लिए उनसे 5 लाख की डिमांड की गई। इन सभी परिस्थितयों से तनावग्रस्त होकर उन्होंने तहसील परिसर में जहर खा लिया था जिससे उनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी। उ0प्र0 लेखपाल संघ उपशाखा शाहाबाद द्वारा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को दिया गया जिसमें दिवंगत लेखपाल साथी के परिवार के सदस्य को योग्यता अनुसार नौकरीए आर्थिक सहायता व दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की मांग की गई। धरना प्रदर्शन में संघ के अध्यक्ष सहित उपाध्यक्ष प्रदीप पुष्कर, कोषाध्यक्ष अनिल यादव सहित सभी लेखपाल साथीगण उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाई फाँसी हुई मौत

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पुरवा पिपरिया में सोमवार सुबह एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भिजवाया है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम पुरवा पिपरिया निवासी ओमप्रकाश का 35 वर्षीय विवाहित पुत्र अवधेश कुमार शराब पीने का आदी था। सोमवार सुबह अवधेश ने गांव के निकट आम के पेड़ में साड़ी का फंदा डालकर फांसी लगा ली।ग्रामीणों ने उसे लटकते देख परिजनों को सूचित किया।मौत की सूचना से मृतक के घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को उतरवा कर कब्जे में लिया। पंचनामा की कार्यवाही के बाद शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भिजवाया है। मृतक के चार बच्चे हैं।

"एक पेड़ माँ के नाम" मुहिम के तहत पौधे रोपित कर करें उसका संरक्षणः सांसद

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। वन रेंज के अंतर्गत नगर वन कामीपुर में सांसद अशोक रावत व नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला उर्फ पंकज ने एक पेड़ मां के नाम मुहिम के अंतर्गत सोमवार को छायादार व फलदायी पौधे रोपित किए। सांसद अशोक रावत ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित भाव बनाना हमारा संकल्प है। नगर वन कछौना क्षेत्र की पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है व पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला ने पौधे रोपित किये। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ हरियाली बढ़ेगी बल्कि शुद्ध हवा और बढ़ती गर्मी से राहत मिलेगी। एक पेड़ मां के नाम ममता और त्याग का प्रतीक है। सभी ने पौधे लगाकर वातावरण को हरा भरा बनाने का संकल्प लिया। एसडीओ अर्चना रावत ने कहा कि नगर वन सहित क्षेत्र में सभी की भागीदारी है। पौधा रोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया महत्वपूर्ण कदम है। इस मुहिम में सभी लोग आगे आकर पौधारोपण करें। विभिन्न प्रकार के छायादार, व औषधीय पौधे लगाए गए। वन क्षेत्राधिकारी विनय कुमार सिंह जादौन ने कहा नगर वन में बजट स्वीकृत न होने के कारण कायाकल्प प्रभावित है। इस ज्वलंत समस्या के विषय में सांसद अशोक रावत को अवगत कराया तो उन्होंने कहा इस विषय को जिले पर दिशा की बैठक में उठाएंगे। इस अवसर पर डीएफओ जेबी सिंह, विजय सिंह पहलवान, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवीन पटेल, शिवम मिश्रा, क्षेत्र पंचायत सदस्य, सद्दीक सहित ग्राम प्रधानगण व प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

गांव के बुजुर्गों को विधायक ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। गांव के बुजुर्गों को क्षेत्रीय विधायक ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर अभिभूत हुए बुजुर्गों ने आशीर्वाद दिया।

थाना क्षेत्र के गांव सौंहर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक आशीष कुमार सिंह आशू ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बुजुर्गों का सम्मान करना पुनीत कार्य है। युवाओ को उनके अनुभव से बहुत कुछ सीखना चाहिए। जिससे समाज मे एकता व प्रेम की भावना मजबूत हो। गांव के समाजसेवी शिव शर्मा पांडे के 60वें जन्मदिन पर शिवदयाल पांडे, श्रीधर, अनुसुइया, शारदा देवी, शिव देवी, कन्यावती, उर्मिला देवी, विष्णु दयाल, गायत्री राधेश्याम, शिवशंकर, गजराज आर्य, कुंजीलाल, रामौतार राठौर, मुन्नू, सत्यपाल गौतम, रमेश गौतम, रामचन्द्र, चन्द्रपाल कुशवाहा आदि दो दर्जन से अधिक बुजुर्गों को फूलमाला पहनाकर प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजक शिवशर्मा ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश वर्मा, अधिवक्ता प्रशांत पांडे, रघुनंदन सक्सेना, ग्राम प्रधान विजय शुक्ला, विमलेश पाल आदि लोग मौजूद रहे।

जिले के उभरते खिलाड़ियों को नव युग सेवा संस्थान ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। समाजसेवी संस्था नव युग सेवा संस्थान द्वारा खेल प्रतिभाओं को सम्मानित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया गया। संस्था के सचिव शिवम अवस्थी ने जिले के चार होनहार खिलाड़ियों को सम्मान पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सम्मान श्रृंखला की शुरुआत उत्तर प्रदेश अंडर-20 फुटबॉल टीम के कप्तान कृष्णेन मिश्रा से की गईए जिन्होंने हाल ही में संपन्न अंडर.20 नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का नेतृत्व किया। संस्था ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स हॉस्टल (फुटबॉल), बनारस के लिए चयनित मोहम्मद नदीम, ग्रीन पार्क क्रिकेट हॉस्टल के लिए चयनित आर्यन शुक्लाए एवं मैनपुरी क्रिकेट हॉस्टल के चयनित खिलाड़ी कृष्ण प्रजापति को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सचिव शिवम अवस्थी ने बताया कि संस्था द्वारा प्रत्येक माह किसी एक खेल का आयोजन किया जाएगाए ताकि जनपद की नई खेल प्रतिभाओं को मंच मिल सके। उन्होंने अगस्त के प्रथम सप्ताह में फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित कराने की भी घोषणा की। कार्यक्रम में फुटबॉल प्रशिक्षक महताब अहमद, अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी एवं ओलंपिक संघ की सचिव पूनम तिवारी,सत्यम सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हापुड़ में लेखपाल की मौत का विरोध, हरदोई की पांच तहसीलों में कार्य बहिष्कार, सीएम को भेजा ज्ञापन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। हापुड़ में एक लेखपाल की आत्महत्या के बाद हरदोई में सोमवार को सभी पांच तहसीलों के लेखपालों ने कार्य बहिष्कार किया। लेखपालों ने तहसील मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ, हरदोई ने हापुड़ जिलाधिकारी के व्यवहार पर नाराजगी जताई है। संघ ने मृतक लेखपाल के परिवार को आर्थिक मदद की मांग की है। साथ ही उनके आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की भी मांग की है। जिलाध्यक्ष एश्वर्य प्रकाश मिश्र ने लेखपालों पर पड़ रहे मानसिक दबाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी सोशल मीडिया पर लेखपालों की छवि खराब कर रहे हैं। इससे उनका मनोबल टूट रहा है। लेखपाल संघ ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अधिकारियों को लेखपालों से सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश देने को कहा है। तहसीलए जनपद और मंडल स्तर पर नियमित बैठकें करने की मांग भी की गई है। प्रदर्शन में तहसील अध्यक्ष अशोक कुमार, मंत्री संदीप कुमार यादव, आकाश श्रीवास्तव, आकाश गिरि और शिवेंद्र वर्मा समेत कई लेखपाल शामिल थे।

प्रेम रावत डॉटकॉम सपोर्ट टीम के द्वारा प्रेमी मीट मेले का आयोजन किया गया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सवायजपुर में प्रेम रावत डांटकाम सपोर्ट टीम के द्वारा आयोजित प्रेमी मीट प्रेमी मेले में हजारों की संख्या में गुरु भाई बहनों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रेम राव टाइम लेस टुडे डाट टीवीए प्रेम रावत फाउंडेशन और बड्र्स ऑफ पीस ग्लोबल आदि के बारे में विस्तृत रूप से प्रेमियों को जानकारी उपलब्ध कराई गई इसके अलावा न्यू वेंचर के अलग.अलग काउंटर भी लगाए गए जिस पर लोगों ने अपने मोबाइल में सब्सक्रिप्शन कराया वही तमाम अनुयायियों ने प्रेम रावत फाउंडेशन में सहयोग किया इसी तरह तमाम प्रेमियों ने काउंटर से भी प्रेम रावत के बारे में जानकारी प्राप्त की इस प्रेमी मीट में लगभग डेढ़ हजार के आसपास प्रेम रावत के अनुयायियों ने भाग लिया इस कार्यक्रम को सवायजपुर प्रेम रावत सपोर्ट टीम के द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम के इवेंट मैनेजर स्वामी दयाल कुशवाहा ने सभी आगत अतिथियों के लिए जलपान और भोजन की व्यवस्था की। कार्यक्रम में सिलेक्टेड ऑडियो वीडियो का संचालन आरेंद्र कुशवाहा ने किया संचालन बृजराज कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम को मुख्य रूप से बेहद व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में स्वयं सेवकों की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम को सुशील कुमार, मनोज कुमार, आरेंद्र कुशवाहा, रामबरन, रणबीर राजपूत वादाम सिंह राजपूत, सचिन दिनेश यादव, सुरेन्द्र पाल शर्मा, बृजकिशोर दीक्षित, पीके गुप्ता आदि ने नयूवेंचर के बारे मे जानकारी दी।

बिबियापुर शिव मंदिर पर गायब हुआ श्रद्धालु का मोबाइल

भरखनी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। प्राचीन सिद्धेश्वर नाथ शिव मंदिर बिबियापुर में आज सोमवार को आए श्रद्धालु का जलाभिषेक के दौरान मोबाइल गिरकर कहीं खो गयाख् जानकारी होने पर मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने 10 मिनट के भीतर श्रद्धालु का मोबाइलएखोज कर उसको सौंप दिया। मोबाइल पाकर श्रद्धालु के चेहरे पर खुशी दिखाई पड़ीख् श्रद्धालु ने मंदिर कमेटी का आभार जताया। पचदेवरा थाना क्षेत्र के सेढामऊ गांव निवासी अनुराग दुबे सोमवार को सिद्धेश्वर नाथ शिव मंदिर बिबियापुर में पूजा अर्चना के लिए गए थेए इस दौरान मंदिर में जलाभिषेक करने के दौरान जेब से उनका मोबाइल गिर कर कहीं खो गया। मोबाइल खोने की जानकारी अनुराग दुबे ने मंदिर कमेटी के लोगों को दी, जिसके बाद जैनेंद्र प्रताप सिंह, पोलू सिंह, लल्ला सिंह, सुधीर सिंह, आकाश सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक अब्दुल

जब्बार खां ने तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी खंगाले तथा अनाउंसमेंट की गई। कमेटी पदाधिकारियों ने महज 10 मिनट के भीतर अनुराग दुबे का खोया हुआ मोबाइल खोज कर उनके सुपुर्द कर दिया। मोबाइल पाकर अनुराग दुबे के चेहरे पर खुशी दिखाई दीए उन्होंने मंदिर कमेटी एवं पुलिस की प्रशंसा करते हुए आभार जताया।

पर्यावरण में ई-कचरे का गहराता संकट

चुनौतियों और संभावनाओं को इक्कीसवीं सदी को प्लास्टिक और ई-कचरे की समस्या पिछली सदी से विरासत में मिली है। पिछली सदी में भले ही यह बड़ी समस्या नहीं थी, लेकिन इस सदी में इससे संकट लगातार गहराता जा रहा है। प्लास्टिक के सामान और इलेक्ट्रानिक उपकरणों ने भले ही हमारे जीवन को सहूलियत भरा और आरामदायक बनाया है, लेकिन इसके नतीजे भी उतने ही भयावह नजर आने लगे हैं। आज जिस रफ्तार से प्लास्टिक और ई-कचरे का ढेर बढ़ रहा है, उससे साफ है कि ये अब पर्यावरण और मनुष्य दोनों के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है। हालांकि, विश्व के विकसित देशों के मुकाबले भारत में प्लास्टिक की खपत काफी कम है, लेकिन आने वाले कुछ दशकों में इसमें तकरीबन छह छह गुना तेजी 'आने का अनुमान है। माना रहा है कि वर्ष 2060 आते-आते हमारी प्लास्टिक खपत लगभग 16 शहरीकरण करोड़ मीट्रिक टन का आकड़ा छू लेगी। इसकी मुख्य वजह बढ़ता करण होगा। वर्ष 1990 में जहां हमारी प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत महज एक किलो थी, वहीं, वर्ष 2021 आते-आते हर व्यक्ति 15 किलो प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहा था। कचरा तकरीबन पांच करोड़ टन प्लास्टिक कचरा हर साल कूड़े के रूप में पर्यावरण में छोड़ दिया जाता है। पिछले साल भारत में नब्बे लाख टन से अधिक प्लास्टिक कचरा निकाला था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2020-21 में अलग-अलग राज्यों का प्लास्टिक कचरा चालीस लाख मीट्रिक टन था। पिछले वर्षों के मुकाबले इसमें 19 फीसद का इजाफा हुआ यह तो सिर्फ दर्ज आंकड़ा हो सकता है वास्तव में चौगुना हो। वर्ष 2024 में प्लास्टिक कचरा निकालने और फेंकने की रफ्तार में 21 फीसद की तेजी आई है। इसकी एक बड़ी वजह कचरे की निपटान व्यवस्था, पुनर्चक्रण और पुनः इस्तेमाल में बुनियादी ढांचे की कमी है। प्लास्टिक कचरे का तकरीबन 40 फीसद हिस्सा कुप्रबंधन चलते कूड़े के ढेर में तब्दील हो जाता है और यह शहरों के नालों से होकर नदी व नहरों से समंदर का रास्ता ले लेता है।

> **पिछली सदी में भले ही यह बड़ी समस्या नहीं थी, लेकिन इस सदी में इससे संकट लगातार गहराता जा रहा है। प्लास्टिक के सामान और इलेक्ट्रानिक उपकरणों ने भले ही हमारे जीवन को सहूलियत भरा और आरामदायक बनाया है, लेकिन इसके नतीजे भी उतने ही भयावह नजर आने लगे हैं। आज जिस रफ्तार से प्लास्टिक और ई-कचरे का ढेर बढ़ रहा है, उससे साफ है कि ये अब पर्यावरण और मनुष्य दोनों के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है।**

वर्ष 2022 में देशभर में 30 से 50 फीसद प्लास्टिक को दोबारा उपयोग में लाने का लक्ष्य भले ही रखा गया हो, लेकिन एक बार इस्तेमाल व्यवस्था के बावजूद समस्या प्लास्टिक को प्रतिबंधित करने और जुर्माने का अभी तक जस की तस है। राज्य सरकारें भी इन खतरों को गंभीरता से लेती नजर नहीं आ रही है। लेकिन अब समस्या केवल प्लास्टिक के कचरे तक सीमित नहीं, बल्कि इसका नया साथी भी आ चुका है और वह है- ई-कचरा यानी वे सारे उपकरण जो किसी न किसी रूप में बिजली संचालित होते हैं और खराब होने बदल दिए जाने की स्थिति में बाहर फेंक दिए जाते हैं। इनमें फोन, टीवी, कंप्यूटर, फ्रिज, वाशिंग मशीन, बैटरी, प्रिंटर व मोबाइल इत्यादि शामिल है। इन उपकरणों को बनाने में जिन धातुओं का इस्तेमाल होता है, उनमें से ज्यादातर जहरीले पदार्थ छोड़ते हैं। भारत की बात करें तो यहां वर्ष 2012 में आठ लाख टन ई-कचरा निकाला था, ये सालाना दस फीसद की तेजी से बढ़ रहा है। दुनिया भर में सालाना पांच करोड़ टन ई-कचरा निकाला जाता है। भारत के कुल ई-कचरे का 70 फीसद हिस्सा केवल दस राज्यों से ही आ जाता है। केवल पैंसठ शहर देश के कुल कचरे में 60 फीसद से ज्यादा की हिस्सेदारी करते हैं। मुंबई इस सूची में आगे है और अन्य में दिल्ली, बंगलुरु, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, पूणे, सूरत और नागपुर शामिल हैं। इसके अलावा भारत हर साल दूसरे देशों का ई-कचरा भी खरीदता है। देश में औपचारिक तौर पर ई-कचरे का आयात प्रतिबंधित है, इसके बावजूद हमारे यहां सालाना पचास हजार टन ई-कचरा हर साल आयात होता है। मौजूद आंकड़ों के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात से सबसे ज्यादा कबाड़ भारत में आयात होता है। वर्ष 2022 में यह 39,800 मीट्रिक टन था। इसके अलावा यमन से हर साल 29,500 मीट्रिक टन कबाड़ का आयात होता है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2019-20 में यह केवल दस लाख मीट्रिक टन था, जो 2023-24 में 1.751 मिलियन मीट्रिक टन हो गया। वर्ष 2019-2020 तक ई-कचरे में 72.54 फीसद की तेजी आई है। इसका एक कारण ये भी है कि इलेक्ट्रानिक सामान के आयात की बजाय अब देश में उत्पादन इकाइयों का तेजी से विस्तार हो रहा है।

उत्तराखंड ही नहीं, देशभर में चलना चाहिए 'ऑपरेशन कालनेमि'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

> **'कालनेमि' अपनी माया से किसी का भी रूप धारण कर सकता था इसलिए रावण ने उसे यह महत्वपूर्ण कार्य सौंपा कि वह किसी भी हाल में हनुमानजी को संजीवनी हिमालय ने न लाने दे, ताकि लक्ष्मणजी की बेहोशी मृत्यु में बदली जा सके। लेकिन जैसे ही हनुमानजी को 'कालनेमि' के एक साधु वेश में होने का पता चला, उन्होंने अत्यंत क्रोधित हो उसी समय 'कालनेमि' का वध कर दिया था। वर्तमान दौर में भी कई 'कालनेमि' सनातन हिन्दू धर्म को तरह-तरह से समाप्त करने का षड्यंत्र कर रहे हैं।**

सनातन हिन्दू धर्म और संस्कृति पर कई तरह से प्रहार किए जा रहे है, इसके उदाहरण भी आए दिन सामने आते हैं, किंतु जिस तरह से लैंड जिहाद, लव जिहाद, थूक जिहाद जैसे किसी भी नकारात्मक जिहाद के विरोध में उत्तराखंड सरकार द्वारा एक्शन लेने के बाद 'ऑपरेशन 'कालनेमि' शुरू किया गया है। इसने कुछ ही दिन में यह सच्चाई सभी के सामने ला दी है कि सनातन हिन्दू धर्म को बदनाम करने के लिए जो अनेक षड्यंत्र चल रहे हैं, उनमें से एक साधूवेष धारण करना भी है। एक आस्थावन सनातनी साधु वेष को देखकर अपनी क्या प्रतिक्रिया देगा, यह किसी को आज बताने की जरूरत नहीं, किंतु बदले में उसे क्या मिलेगा, यह अहम है। ऐसे में ये तमाम छद्म वेषधारी हिन्दू आस्था पर सीधे प्रहार कर रहे हैं। वस्तुतः भारतीय शास्त्रों में देखें तो 'कालनेमि' रामायण काल का एक राक्षस था, जिसने छद्मवेश धारण कर संजीवनी लेने जा रहे हनुमानजी का रास्ता रोकने की कोशिश की थी। रामायण की सुप्रसिद्ध मायावी राक्षसनी ताड़का उसकी दादी थी व मारीच उसके पिता । 'कालनेमि' अपनी माया से किसी का भी रूप धारण कर सकता था इसलिए रावण ने उसे यह महत्वपूर्ण कार्य सौंपा कि वह किसी भी हाल में हनुमानजी को संजीवनी हिमालय ने न लाने दे, ताकि लक्ष्मणजी की बेहोशी मृत्यु में बदली जा सके। लेकिन जैसे ही हनुमानजी को 'कालनेमि' के एक साधु वेश में होने का पता चला, उन्होंने अत्यंत क्रोधित हो उसी समय 'कालनेमि' का वध कर दिया था। वर्तमान दौर में भी कई 'कालनेमि' सनातन हिन्दू धर्म को तरह-तरह से समाप्त करने का षड्यंत्र कर रहे हैं। अब हरिद्वार से पकड़े गए इन सभी इस्लामिक कालनेमियों को देखिए, जो हिन्दू साधू के वेश में सनातनधर्मियों को ठग रहे थे। मो. अहमद पुत्र रहु निवासी ग्राम बोडिंग हाउस जिला हरदोई उत्तर प्रदेश। रशीद पुत्र बपाती निवासी वार्ड नंबर 7 फूलबाग थाना नरसिंह गढ़ जिला राजगढ़। मोहम्मद इमरान पुत्र मो. इस्लाम निवासी 11 बी तिलजला थाना कड़ाया कोलकता पश्चिम बंगाल। मोहम्मद जैनउद्दीन पुत्र शेख अब्बास निवासी बेलवारी वार्ड न0 13 अंचल पलासी पखरी बिहार। मोहम्मद सलीम (पिरान कलियर, हरिद्वार)। रुकन राकम उर्फ शाह आलम- बांग्लादेशी नागरिक, जिसने तिलक और जटा धारण कर रखे थे; वह खुद को ''शिव योगी'' बता रहा था। इसी तरह से अन्य अपराधी और ठग पकड़े गए हैं, जोकि हिन्दू सनातन धर्म को साधू वेश धारण कर बदनाम कर रहे थे। इस संदर्भ में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कह रहे हैं कि वर्तमान समय में भी बहुत सारे 'कालनेमि' छद्म वेष बनाकर अनेक स्थानों पर अपनी पहचान छुपाकर के धार्मिक भावनाओं को आहत करने का काम कर रहे हैं। उनका यह कृत्य सनातन को नुकसान पहुंचाता है और जो सच्चे धर्म की खोज में, पुण्य की खोज में और अपनी आत्मा के प्रकाश को प्राप्त करने के लिए भगवान की शरण में जाते हैं। देवभूमि या अन्य स्थानों पर जाते हैं। उनका किसी न किसी रूप में मार्ग भटकाने का काम ये छद्म वेषधारी ठग करते हैं। ऐसे सभी लोगों की पहचान कर उन्हें रोकने और उनकी सच्चाई उजागर करने के लिए ही हमने ये ऑपरेशन ''कालनेमि'' चलाया है। हमारी सरकार जनभावनाओं, सनातन संस्कृति की गरिमा की रक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाये रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हाल ही में एक प्रकरण उत्तर प्रदेश की एटीएस के प्रयासों से भी छांगुर बाबा उर्फ मोहम्मद जलालुद्दीन का सामने आया है। उसके पास से एक किताब 'शिजर-ए-तैयबा' नाम की बरामद हुई है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि इस किताब का इस्तेमाल लव जिहाद और इस्लामिक कन्वर्जन के लिए किया जा रहा था। पुस्तक का मकसद कोई धार्मिक प्रचार नहीं, बल्कि विशेष एजेंडे के तहत ब्रेनवॉश करना था। पुस्तक में मुस्लिम युवकों और हिंदू युवतियों को इस्लाम के नाम पर जोड़ने और प्रेरित करने की बातें की गई हैं। यहां तक कि किताब में 'धर्मी लोगों की सेना' तक का जिक्र किया गया है, यानी ऐसे लोग जो इस्लाम के लिए अपनी जान देने को तैयार हों। साथ ही इसमें विस्तार से बताया गया है कि लोगों को इस्लाम के प्रति कैसे आकर्षित किया जाए और किस तरह धर्मांतरण की मुहिम चलाई जाए। यह किताब सोशल नेटवर्किंग और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए युवाओं तक पहुंचाई जाती थी, जिससे वे धीरे-धीरे कट्टरपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित होते जाएं। 'शिजर-ए-तैयबा' की तरह ही आज यह सामने आया है कि देश भर में अनेक नामों से इसी प्रकार की किताबें चलन में हैं, जोकि ब्रेनवॉश का काम करती हैं। , दीने-तालीम के नाम पर मदरसों में क्या पढ़ाया जा रहा है, किसी भी राज्य सरकार को इसके बारे में पता नहीं है। आप सोचिए; एक छांगुर बाबा उर्फ मोहम्मद जलालुद्दीन ने क्या कर दिया! उसने हजारों गैर मुसलमानों का ब्रेनवॉश, 1500 से अधिक हिन्दू महिलाओं के साथ लव जिहाद कर इस्लाम कबूल करवाना। हर हिन्दू युवतियों को लव जिहाद में फंसाने के लिए 10 से 20 लाख रुपए तक मुस्लिम युवक को देने की व्यवस्था, कई सौ करोड़ का साम्राज्य, दो हजार से अधिक स्लीपर सेल की टीम खड़ी करना, वह भी किसलिए सिर्फ इस्लाम के लिए। भारत को गजबा-ए-हिंद बनाने के लिए। आप यह भी विचार कर सकते हैं कि यह कोई अचानक नहीं हो गया है, पिछले कई सालों से यह सब चल रहा है। छांगुर, मोहम्मद जलालुद्दीन पिछले 15 वर्षों से अवैध धर्मांतरण गिरोह चला रहा था। सोचनेवाली बात यह है कि इसका पूरा यह षड्यंत्र कितना गोपनीय रहा होगा कि पुलिस का खुफिया तंत्र एवं देश की सुरक्षा एजेंसी भी इतने सालों तक उसकी भनक नहीं लगा सकीं। गजबा-ए-हिंद की गंदी सोच सिर्फ इस बाबा छांगुर उर्फ मोहम्मद जलालुद्दीन की नहीं है, हाल ही में एनआईए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आईएसआईएस पुणे स्लीपर मॉड्यूल में 11 लोग गिरफ्तार किए हैं, जिसमें कि रिजवान अली (अबु सलमा / मोला) की अहम गिरफ्तारी है। ऐसे ही मोहम्मद इमरान खान, मोहम्मद यूनुस साकी पकड़ा गया। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में एचयूटी के आतंकवादी पकड़े गए। जिसमे मुहिसन खान (प्रमुख योजनाकार, वित्तपोषक) की गिरफ्तारी बहुत अहम है। ग़ाज़वाएहिंद के लिए एक पीएफआई मोड्यूल का खुलासा भी हुआ है। एनआईए द्वारा बिहार, यूपी, गुजरात व केरल में कई स्थानों पर रैड की गई और कई आरोपितों के साथ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। कर्नाटक से तीन लश्कर ए तैयबा (एलईटी) सहयोगी पकड़े गए हैं। कुछ कश्मीरी युवक भी पकड़े गए हैं। आज सोचनेवाली बात यह है कि देश भर में न जानें इस तरह के कितने षड्यंत्र सनातन के विरोध में चल रहे हैं। सवाल यह है कि क्या यह ऑपरेशन जो मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के विचारों की उपज है, सिर्फ उत्तराखंड तक ही सीमित रहना चाहिए अथवा भारत के हर राज्य में इसी तरह से एक ऑपरेशन चलाया जाना चाहिए जिसे कि उत्तराखंड की तरह ही राज्य सरकार हाथ में लेकर चलाए। वास्वत में आज इस अभियान में जैसी कार्रवाई फर्जी साधुओं और ठगी करने वालों के खिलाफ हो रही है, वह एक राज्य तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सनातन धर्म या किसी भी मत, पंथ, संप्रदाय के खिलाफ देश भर में कहीं भी कुछ अपराध घट रहा है तो उस पर तुरंत अंकुश लगाना आवश्यक है, इसलिए कहना होगा कि उत्तराखंड में जो पुष्कर सिंह धामी ऑपरेशन कालनेमि के जरिए कर रहे हैं, वह किसी भी रूप में सही देश के हर राज्य में किए जाने की जरूरत है। क्योंकि भारतीय संविधान सभी की सुरक्षा, मौलिकता और धर्म स्वातंत्र्य की गारंटी देता है।

अमेरिका पर ही भारी पड़ने वाला है टैरिफ युद्ध

प्रहलाद सबनानी

> **वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है।**

अमेरिकी में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। किंतु अमेरिका विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार-बार परिवर्तन कर इस टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब तक स्पष्टता का पूर्ण अभाव दिखाई देता है। इसे यदि भारत के संदर्भ में देखें तो ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि वह भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न करेगा। इसके लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका गया भी और निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहकर द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने में भी सफल रहा, परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा सकी है। दूसरी ओर इस बीच अमेरिका ने कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। फिलहाल भारत इस सूची में शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। कहना होगा कि अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजरायल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है। अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय-समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजरअन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुकसान इन्हीं देशों को अधिक है, क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाएंगे। वैसे भारत आज फार्मा, ऑटो, कृषि, इंजीनीयरिंग, टेक्नॉलोजी, स्पेस तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि क्षेत्रों में बहुत आगे निकल चुका है। देखा जाए तो आज भारत विकास के उस पड़ाव पर पहुंच चुका है, जिसकी अनदेखी विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता। पूरे विश्व में आज केवल भारत ही युवा देश की श्रेणी में गिना जा रहा है क्योंकि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयुवर्ग में हैं तथा लगभग 40 प्रतिशत आबादी 15 से 35 वर्ष के आयुवर्ग में शामिल हैं। अतः एक तरह से भारत आज विश्व के लिए श्रम का आपूर्ति केंद्र बन गया है। लम्बे समय से रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद जब इन देशों में आधारभूत सुविधाओं को पुनर्विकसित करने का कार्य प्रारम्भ होगा तो इन्हें भारतीय श्रमिकों एवं इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ेगी ही। एक अनुमान के अनुसार अकेले रूस द्वारा में लगभग 10 लाख भारतीयों की मांग की जा सकती है। इसी प्रकार, इजरायल एवं हमास तथा ईरान के बीच युद्ध की समाप्ति के पश्चात इन देशों में भी बुनियादी ढांचे को पुनः मजबूत करने का कार्य जब प्रारम्भ होगा तो इन देशों को भी भारतीय नागरिकों की आवश्यकता पड़ेगी। इजरायल, जापान सिंगापुर एवं ताईवान आदि देशों द्वारा तो पूर्व में भी भारतीय इंजिनीयरों की मांग की जाती रही है। अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों में तो डॉक्टर एवं इंजीनियरों की भारी मांग पूर्व से ही बनी हुई है। अतः आज भारत पूरे विश्व में डॉक्टर, इंजीनियर तथा श्रमिक उपलब्ध कराने के मामले बहुत आगे है। भारत की इस ताकत की अनदेखी आज कोई भी देश नहीं कर सकता है। फिर भी अमेरिका के साथ अभी हम टैरिफ को लेकर इंतजार की स्थिति में है। यदि वह भारतीय संदर्भों को नजरअंदाज करता है, तो यह मान लीजिए कि उसे भविष्य में बड़ा नुकसान होना तय है।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

ललित गर्ग

> **प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है।**

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रूपये के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पर्दापाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था। आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड़यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाज़ार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए। इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड्यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजैक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जुड़े घपल्ले एवं घोटाले भी है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नकली मुद्रा के पीछे कुछ संगठित राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ सक्रिय हैं। पाकिस्तान स्थित आईएसआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पहले भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे नकली भारतीय मुद्रा भारत में भेजकर आतंकवाद और अलगाववाद को आर्थिक समर्थन देते हैं। देश की सरकार ने डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, आधार लिंकिंग, और यूपीआई जैसी क्रांतिकारी योजनाओं के ज़रिए नकदी पर निर्भरता घटाने का प्रयास किया है। लेकिन यह लड़ाई अकेली सरकार नहीं जीत सकती। नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान है। यह और भी बड़ी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

अवैध खनन को लेकर अधिकारियों ने साधी चुप्पी

- एडीएम अरविंद कुमार सिंह ने अपने अधीनस्थों को अवैध खनन के मामले में जांच के लिए मौखिक आदेश दिए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के चर्चित ग्राम राईखेड़ा में हो रहे अवैध खनन को लेकर अब नेताओं की नींद खुलती नजर आ रही है।एक तरफ बड़े नेता जी ने इशारों इशारों में गर्रा नदी को देखने के निर्देश दिए वही सोमवार को न्यूज चैनल के पत्रकार एडीएम अरविंद कुमार सिंह से खनन को लेकर सवाल जवाब किए तो उन्होंने चुप्पी साध ली लेकिन अपने अधीनस्थों को अवैध खनन की जांच रिपोर्ट मांग ली।,, डीएम की तेज तर्रार और विकासशील, प्रगतिशील कार्यशैली से शाहजहांपुर जनपद उत्तर प्रदेश में नम्बर एक की सूची पर पहुंच चुका है लेकिन कुछ लोग डीएम की कार्यशैली को नीचा दिखाने की कोशिश में जुटे हुए हैं।विगत लगभग एक वर्ष से जिलाधिकारी महोदय जनपद शाहजहांपुर को उत्तर प्रदेश में श्रावस्ती जनपद से भी पहले स्थान पर लाने के लिए रात दिन एक किए हुए है।जिसमे चाहे शिक्षा व्यवस्था हो, गांवों के विकास को लेकर कोई भी कार्य हो उसे तत्काल प्रभाव से दुरुस्त कराने में लगे रहते हैं।डीएम धनमेंद्र प्रताप सिंह और एडीएम अरविंद कुमार सिंह की तेज तर्रार कार्यशैली और कड़ी मेहनत का नतीजा है कि पूरे प्रदेश में आज शाहजहांपुर जनपद नम्बर एक की श्रेणी में आ चुका है।लेकिन वहीं कुछ विकासकार्यों के दुश्मन या यूं कहें कि जनपद को विनाश की तरफ ले जाने वाले कुछ लोग अधिकारियों को गुमराह कर जनपद को नीचे धकेलने का कार्य कर रहे हैं।

वैसे तो पूरे जनपद में अवैध खनन खुलेआम किया जा रहा है लेकिन जिस तरह से ग्राम राईखेड़ा स्थित गर्रा नदी में अवैध खनन किया जा रहा है उससे तो यही लग रहा है कि समाज के दुश्मनों ने जनपद वासियों को नरक के द्वार तक पहुंचाने की कसम खा रखी है।जितना अधिकारी सख्ती बरतते हैं उतना खनन माफिया और बड़े पैमाने पर अवैध खनन कर राजस्व को हानि पहुंचा रहे हैं।हानि भी थोड़ी बहुत नहीं,कई करोड़ों में। जनपद शाहजहांपुर की शान गर्रा नदी आज खुदपर आंसू बहा रही है जहां बड़ी बड़ी मशीनों से खुदाई कार्य किया जाता है।कभी को बरसात में बाढ़ के साथ आती रेत से शाहजहांपुर जनपद को करोड़ों रुपए की राजस्व प्राप्ति होती थी वहीं खनन माफिया अधिकारियों को गुमराह कर लाखों करोड़ों रुपए कमाकर अपनी तिजोरिया भरने में लगे है।

गुरुवार को राष्ट्रीय प्रस्तावना की टीम मौके पर गई तो पशुओं को चरा रहे चरवाहों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि अवैध खनन की वजह से पशुओं के लिए चारागाह ही खत्म हो गए।बताया कि तीन चार वर्ष पहले रेत और मिट्टी में हरा भरा चारा हुआ करता था जिससे पशुओं का पेट भरता था।

अब ना तो रेत और मिट्टी बची और ना ही चारा बचा।जिससे सबसे बड़ी समस्या पशुओं के लिए चारे की सामने आई है।जिधर देखो उधर बड़े बड़े गड्ढे ही नजर आते हैं।ग्रामीणों ने बताया कि पूरी रात बड़े बड़े ट्रक और बड़ी बड़ी मशीनों के शोर से क्षेत्र में गहमा गहमी रहती है लेकिन कोई अधिकारी कभी झांकने नहीं आता।

डीएम, एडीएम की मेहनत पर पानी फ़ेर रहे माफिया

जनपद शाहजहांपुर की धरोहर और दो नदियों के बीच बसा शाहजहांपुर जनपद अपनी धरोहरों और विरासतों को विलुप्त होते हुए देख रहा है।कुछ समाज के दुश्मन शाहजहांपुर की दशकों पुरानी धरोहरों को नष्ट कर आम जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ तो कर ही रहे हैं साथ ही पर्यावरण को नष्ट करने में पूरी तरह लगे हुए हैं। इस समय शाहजहांपुर जनपद का ग्राम राईखेड़ा खास सुर्खियों में है।हो भी क्यों ना,क्योंकि इस ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली गर्रा नदी कुछ लोगों के लिए सोना उगल रही है।सीधे सीधे कहें ग्राम राईखेड़ा स्थित ग्राम समाज में सात किलोमीटर से ज्यादा एरिया गर्रा नदी में आता है।ये छेत्र सत्तापक्ष से जुड़े कुछ लोगों और कुछ प्रशासन के दलालों के लिए वरदान साबित हो रहा है।दरअसल काफी बड़े क्षेत्रफल के स्वरूप में बहती गर्रा नदी में प्रतिवर्ष बरसात के मौसम में भारी मात्रा में रेत आ जाता है।चूंकि कई वर्षों से रेत का ठेका होना बंद हो चुका है यही से तथाकथित नेताओं,पुलिस के दलालों,खनन माफियाओं की लाटरी निकल आई।

प्रतिवर्ष हजारों टन रेत का होता है खनन

जनपद शाहजहांपुर की खास पहचान गर्रा नदी और खन्नौत नदी है।दोनों नदियों के बीच में बसा है शाहजहांपुर महानगर।कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि कभी शाहजहांपुर जनपद की पहचान इन दोनों नदियों की वजह से ही होती थी।दोनों नदियां अंग्रेजों के जमाने से पहले से अविरल धारा से वह रही हैं।दोनों नदियों के पुल भी अंग्रेजों के जमाने से पहले के बने हुए हैं।लेकिन अब इन दोनों नदियों का अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा है।क्योंकि जिस तरीके से दोनों नदियों से या खास माने तो गर्रा नदी में जिस गति से अवैध खनन हो रहा है उससे छुटभैय्ए नेताओं और कुछ चाटुकारों की तिजोरियां तो भर रही हैं लेकिन नदी अपना मूल स्वरूप खोती जा रही है।अजीजगंज स्थित जो गर्रा नदी पर पुल बना है वहां से लेकर तिलहर क्षेत्र के नगरिया गांव तक लगभग आठ किलोमीटर के क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर खनन किया गया है कि अब बाढ़ आने पर नदी का बहाव किधर जाएगा कुछ नहीं कहा जा सकता।

जनपद के कई रिहायशी इलाके बाढ़ की चपेट में आ सकते

विगत वर्ष गर्रा नदी में आई बाढ़ का पानी अजीजगंज से पहले बने डैम से काफी पहले ही सड़क काटकर कंशीराम कालोनी, साउथ सिटी,ग्राम नवादा इन्देपुर,आदि क्षेत्रों में पहुंच गया था। बाढ़ की विभीषिका इतनी थी कि इन क्षेत्रों में कई कई फीट तक बाढ़ का पानी भर गया था।तथा कई दिनों तक पानी भरा रहने से क्षेत्रीय वाशिंदों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा था।इधर वित्त मंत्री महोदय जनपद वासियों की सुविधाओं को उपलब्ध कराने को लेकर हर समय प्रयत्नशील रहते हैं वहीं उन्हीं के ग्रह जनपद में कुछ सत्ताधारी छुटभैय्ए नेताओं ने शहर को बर्बाद करने का ठेका ले रखा है।

अल्हागंज डाकघर में करोड़ों का फर्जीवाड़ा उजागर, पोस्टमैन फरार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के अल्हागंज कस्बे के डाकघर में करोड़ों रुपये के फर्जीवाड़े का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, एक खाताधारक द्वारा पूरी किस्त चुकाने के बाद जब राशि निकालने की कोशिश की गई तो पूरे घोटाले का पर्दाफाश हुआ। फर्जीवाड़े का मुख्य आरोपी पोस्टमैन सूरज शुक्ला घटना के बाद से फरार है।

उसके मोबाइल फोन बंद हैं और उसका घर भी ताला बंद मिला। चौंकाने वाली बात यह है कि डाकघर पिछले दो वर्षों से सूरज शुक्ला के घर से ही संचालित हो रहा था। बताया जा रहा है कि उसने मैन मार्केट से सेटिंग कर डाकघर को अपने निजी आवास पर शिफ्ट करवा लिया था। सूरज शुक्ला और डाकघर में तैनात बाबू नवीन द्वारा खाताधारकों को फर्जी पासबुकें दी जाती थीं, जिनमें हाथ से एंट्री की जाती थी। खातों में जमा वास्तविक राशि से खाताधारक अनजान थे। यह खेल मुख्यतः सरकारी बचत योजनाओं जैसे पीपीएफ, आरडी और किसान जमा योजनाओं के नाम पर चलाया गया।अब तक सामने आए विवरणों के अनुसार, दर्जनों लोगों के लाखों रुपये इस घोटाले की भेंट चढ़ चुके हैं। पीड़ित खाताधारकों ने जब डाकघर पहुंचकर विरोध जताया, तो बाबू नवीन मौके पर मौजूद था, लेकिन उसने खुद को मामले से अलग बताकर पल्ला झाड़ लिया। फर्जीवाड़े के खिलाफ आक्रोशित लोगों ने डाकघर के सामने जमकर हंगामा किया और उच्चाधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस पूरे प्रकरण की सीबीआई या डाक विभाग की सतर्कता जांच कराई जानी चाहिए ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

पूरा हुआ 76 करोड़ की डलमऊ पंप नहर सिंचाई परियोजना का काम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- जल्द टेस्टिंग शुरू करने की तैयारी तेज
- शासन से निर्धारित समय से नौ माह बाद पूरा हो पाया है निर्माण कार्य
- जनपद और रायबरेली के किसानों को सिंचाई के लिए होगा फायदा

उन्नाव। लंबे समय से निर्माणाधीन 76 करोड़ लागत की डलमऊ पंप नहर सिंचाई परियोजना का काम पूरा हो पाया है। पाइप टे?स्टिंग का काम शुरू होने जा रहा है। करीब दस दिन तक टे?स्टिंग कार्य चलेगा। इसके बाद किसानों को सिंचाई के लिए पंप नहर से पानी मिलने लगेगा।

जनपद और रायबरेली बार्डर क्षेत्र के तीन सैकड़ा से अ?धिक गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने को बीघापुर तहसील के डौंडियाखेड़ा में वर्ष 2023 में चौधरी चरण सिंह डलमऊ-बी पंप नहर परियोजना का कार्य शुरू कराया गया था। परियोजना में पुल पुलियों के साथ पंप हाउस, भवन का निर्माण, बिजली और यांत्रिक कार्य कराने के लिए 76 करोड़ स्वीकृत हुए थे। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को नामित किया गया था। परियोजना का काम सितंबर 2024 में पूरा होना था। हालांकि अफसरों की सुस्ती से परियोजना का समय आगे ?खिसकता चला गया। इससे योजना को पूरा होने में नौ महीने अ?धिक लग गए। बीच में जांच के चलते कुछ समय के लिए काम बा?धित हुआ था। अब परियोजना का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। पंप सप्लाई करने वाली कंपनी किर्लोस्कर टे?स्टिंग शुरू करने जा रही है। कंपनी द्वारा संचालन शुरू करके पंप की गुणवत्ता के साथ पानी की उपलब्धता जांची जाएगी। यह कार्य करीब दस दिन तक चलेगा। जुलाई के अंतिम सप्ताह तक परियोजना को चालू करने की तैयारी की जा रही है।

गंगा नदी से नहर में पंपों के जरिए पहुंचेगा पानी

उन्नाव। डौंडियाखेड़ा में जहां परियोजना स्थापित की गई है। वहां गंगा की धारा पंप हाउस की तरफ रहती है। परियोजना में छह मोटर पंप लगाए गए हैं। इसमें पांच से नियमित आपूर्ति होगी। एक पंप अतिरिक्त रहेगा। एक पंप की क्षमता 60 क्यूसेक पानी की है। पांच पंप चलने पर 300 क्यूसेक पानी गंगा से नहर में जाएगा। करीब 198 किमी लंबी इस परियोजना से उन्नाव के कल्याणपुर, नानमऊ, जगतपुर, धनकोली सहित 120 और रायबरेली के दो सौ गांवों की 10 हजार एकड़ भूमि की सिंचाई होगी। इससे करीब 40 हजार किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

फरवरी में सीडीओ ने की थी जांच, धंसी मिली थी फर्श

उन्नाव। परियोजना का पूर्व सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा ने फरवरी माह में स्थलीय निरीक्षण किया था। तकनीकी टीम के साथ जांच करने पहुंचे सीडीओ को यहां कंक्रीट, लिंटर, सीमेंट मानक के अनुरूप नहीं मिली थी।

निर्माण सामग्री की गुणवत्ता खराब होने से काम पूरा होने से पहले फर्श भी कई जगह धंस गई थी। उन्होंने आईआईटी से जांच कराने के आदेश दिए थे। हालांकि आईआईटी की जांच रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

डलमऊ पंप परियोजना का निर्माण से संबंधित कार्य पूरा हो गया है। अब टेस्टिंग होनी है। पानी की सप्लाई करने वाली कंपनी टेस्टिंग शुरू करेगी। इसमें आठ से दस दिन का समय लग सकता है। इसके बाद किसानों को सिंचाई के लिए परियोजना के जरिए पानी मिलने लगेगा।

गगन शुक्ला, एक्सईएन उन्नाव खंड शारदा नहर।

संक्षिप्त समाचार

जसपुरा ब्लाक भवन जलभराव और जर्जर हालत से बेहाल

जसपुरा (बांदा)। लगातार बारिश से जसपुरा ब्लाक परिसर जलमग्न हो गया है। सड़क से नीची नींव के कारण ब्लॉक कार्यालय में पानी भर गया, जिससे ग्रामीणों और कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कीचड़ और कचरे से मुख्य द्वार बंद जैसा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों पुराना भवन जर्जर हो चुका है। छत टपकती है, दीवारों में सीलन है, प्लास्टर उखड़ रहा है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सड़क से ऊंचाई पर नई पक्की इमारत निर्माण की मांग की है। खंड विकास अधिकारी धनराज कुटार्य ने बताया कि बारिश में सड़क का पानी अंदर आ जाता है, नालियां जाम होने से स्थिति और बिगड़ जाती है। ग्रामीणों ने तकनीकी जांच कराकर नई इमारत की शीघ्र स्वीकृति की मांग की है।

पहली बारिश ने ली तिली की फसल, खेतों में भरा पानी, फसल सड़ी

जसपुरा/बांदा। जसपुरा में हाल ही में हुई पहली भारी बारिश किसानों के लिए नुकसानदेह साबित हुई। कई खेतों में बोई गई तिली की फसल पानी में डूबकर सड़ गई। खेतों में भराव के चलते किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। किसान प्रमोद तिवारी और लक्ष्मी देवी ने बताया कि उन्होंने लगभग 5 बीघा खेत में तिली की बोवाई की थी। लेकिन बारिश के बाद खेतों में लबालब पानी भर गया, जिससे तिली की नाजुक पौध गलने लगी ,पूरी फसल बर्बाद हो गई। ग्रामीण किसानों का कहना है कि तिली की बुवाई अभी शुरुआत में ही थी, ऐसे में यह नुकसान बड़ा झटका है। जलभराव की वजह से खेतों में अब दोबारा बुवाई कर पाना भी कठिन हो रहा है। किसानों ने प्रशासन से मुआवजा दिलाने व जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है ताकि आगे की खेती को बचाया जा सके।

52 महिलाओं को नहीं मिला डिलीवरी के समय मिलने वाला पैसा

बांदा।बरौली आजम बबेरू में राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो की टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसण्डा व बबेरू की जांच के दौरान लगभग 52 महिलाओं की डिलिवरी आशा बहु ममता देवी ने करवाया था। जिसका पैसा जो महिलाओ की डिलिवरी के समय लगभग 1400 रुपये मिलने का प्रावधान है जो बिसण्डा व बबेरू के स्वास्थ्य अधीक्षकों ने अभी तक किसी का पैसा देने में ध्यान केंद्रित नहीं किया है ना ही पैसा आवंटन किया गया है जिसमे गरीब महिलाएं अत्यंत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. शासन से अनुरोध है कि महिलाओं की डिलिवरी का पैसा अति शीघ्र दिलवाने की कृपा करें।

प्रदेश अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमें के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

अतर्रा/बांदा। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पर दर्ज मुकदमे की वापसी को लेकर कांग्रेसियों ने नारेबाजी व प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा । कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार की तानाशाही के खिलाफ बोला हमला। मुकदमा वापस न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के ऊपर बीते 10 जुलाई को बनारस प्रवास के दौरान बनारस में सीवर की बरसात के पहले सफाई न होने से जल भराव की समस्या को लेकर शांतिपूर्ण भ्रष्टाचार की पोल खोलो प्रदर्शन के दौरान प्रदेश सरकार के इशारे पर दर्ज हुए मुकदमे के खिलाफ कांग्रेसियों में आक्रोश दिख रहा है सोमवार को कांग्रेस नगर अध्यक्ष रमेश साहू के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने तहसील पहुंचकर नारेबाजी व प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार दीपेंद्र कुमार को सौंप कर ज्ञापन में मांग की कि जल्द से जल्द प्रदेश अध्यक्ष पर दर्ज मुकदमा वापस लिया जाए ज्ञापन में कहा है कि प्रदेश अध्यक्ष पर दर्ज हुआ मुकदमा लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है और उत्तर प्रदेश की सरकार के तानाशाही कर रही है इस दौरान कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सूरजवाजपेई ने कहा की उत्तर प्रदेश की सरकार लोकतंत्र के अभिव्यक्ति के अधिकार को समाप्त करना चाहती है जिसको लेकर कांग्रेस के लोग सड़कों पर उतरकर सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे कांग्रेस जिला महासचिव जगदीश गुप्ता विकी, महासचिव विवेक द्विवेदी, शिवाकांत मिश्रा कैलाश नाथ बाजपेई ,अर्जुन मिश्रा ,युवा नेता मोहम्मद नसीम ,गौरी शंकर गुप्ता शिवमंगल कोटार्य ,दीपक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

हवा में जहर होल रहे स्लॉटर हाउस और चमड़ा फैक्ट्रियों की जांच के आदेश

- डीएम ने जिला स्तरीय अफसरों की चार टीमें गठित कीं, बंद होंगे अवैध कारखाने, प्रदूषण विभाग की कार्यवाही पर टिकी निगाहें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में फैली दुर्गंध, प्रदूषण और गंदगी से त्रस्त जनता को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। टेनरियों और स्लॉटर हाउस से निकलने वाली तेज बदबू और केमिकलयुक्त गंदा पानी न केवल लोगों की सांसों को भारी कर रहा है, बल्कि आसपास के पर्यावरण और गंगा नदी को भी गंभीर रूप से प्रदूषित कर रहा है। लंबे समय से चली आ रही इन शिकायतों पर अब प्रशासन सख्त हुआ है। जिलाधिकारी ने ऐसे अवैध और प्रदूषण फैलाने वाले स्लॉटर हाउस और चमड़ा फैक्ट्रियों की जांच के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की चार टीमों का गठन कर दिया है। ये टीमें औद्योगिक क्षेत्रों का दौरा करके विस्तृत जांच करेंगी और जिन इकाइयों में नियमों का उल्लंघन मिलेगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिले में व्याप्त बदबू बनी परेशानी का सबब

औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित कई इकाइयों की चिमनियों से उठता धुआं, खुले में बहाया जा रहा अपशिष्ट और गटरों में छोड़ा जा रहा रसायनयुक्त पानी क्षेत्र में भारी दुर्गंध फैला रहा है। आसपास के गांवों व बस्तियों में रहने वाले लोग लगातार स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, इन इकाइयों से निकलने वाला गंदा पानी गंगा नदी तक पहुंचकर उसे भी प्रदूषित कर रहा है, जो धार्मिक व पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से अत्यंत चिंताजनक है।

सांसद ने भी उठाई थी आवाज

गत माह सांसद साक्षी महाराज ने भी लोकसभा में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्नाव के कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में स्लॉटर हाउस और टेनरियां खुलेआम गंगा में प्रदूषण फैला रही हैं। उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से इस दिशा में तत्काल कदम उठाने की मांग की थी। सांसद के बयान के बाद प्रशासन की ओर से यह पहली ठोस कार्यवाही की गई है।

डीएम ने गठित की चार टीमें

जिलाधिकारी ने चार अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी सौंपी है, जिनमें जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। ये टीमें निर्धारित क्षेत्रों का भ्रमण कर टेनरियों, स्लॉटर हाउस और अन्य औद्योगिक इकाइयों की कार्यप्रणाली की जांच करेंगी।

यह देखा जाएगा कि क्या इन इकाइयों के पास वैध अनुमति है, क्या प्रदूषण नियंत्रण के उपाय अपनाए जा रहे हैं, और क्या अपशिष्ट का समुचित निस्तारण किया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर इकाइयों को तत्काल सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

औद्योगिक निवेश पर भी संकट

शहर के विकसित हो रहे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में निवेश के लिए आ रही देश-विदेश की बड़ी कंपनियां भी अब इस प्रदूषण की समस्या को लेकर सशंकित हैं। दुर्गंध और गंदगी के कारण कई निवेशकों ने असमर्थता जताई है। इस कारण क्षेत्र के औद्योगिक विकास पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

पुलिस प्रशासन भी सतर्क

प्रदूषण नियंत्रण की इस मुहिम में स्थानीय पुलिस को भी शामिल किया गया है। पुलिस प्रशासन अब नियमित गश्त कर संदिग्ध इकाइयों की निगरानी करेगा। जिलाधिकारी के आदेश पर यदि कोई यूनिट बिना अनुमति के काम करती पाई गई, या अवैध रूप से कचरा बहाती मिली, तो उसके खिलाफ क्क्ष्ट दर्ज की जाएगी और सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

मोटेश्वर महादेव मंदिर :- महाकाल की तर्ज पर होता है अद्भुत श्रृंगार

सफीपुर(उन्नाव)। श्रावण मास के सोमवार को उज्जैन के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर के तर्ज पर कस्बा स्थित मोटेश्वर महादेव मंदिर में शिवलिंग का भव्य श्रृंगार किया जाता है.बाबा के इस अलौकिक भव्य श्रृंगार के दौरान सैकड़ों की संख्या में भक्तगण शिव की भक्ति में सराबोर रहते है। कस्बे के मध्य में बाबू भगवती चरण वर्मा पार्क के समीप विराजमान भगवान भोलेनाथ जोकि मोटेश्वर महादेव के नाम से सुप्रसिद्ध हैं। मंदिर मे मोटेश्वर महादेव का श्रृंगार उज्जैन के महाकालेश्वर की तर्ज पर किया जाता है। बाबा भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार आकर्षण का केंद्र है जहां पर मोटेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित मनोज पांडे बताते हैं कि मंदिर सिद्ध पीठ है जहां सावन में विशेष तैयारी होती हैं।उज्जैन के महाकालेश्वर की तर्ज पर महादेव का श्रृंगार किया जाता है। संध्या कालीन श्रृंगार के बाद भगवान महादेव की आरती एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होता है यहां भगवान शिव की आराधना से हर मनोरथ पूर्ण होते हैं।

बिना नोटिस के गिराए गए मकान का निरीक्षण करने पहुंचे पूर्व सांसद

- पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने पीड़ित को दिया मदद का भरोसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बबेरू कस्बे के बांदा रोड कृषक सेवा सहकारी समिति के बगल में अजय कुमार उर्फ गोलू पांडे के मकान पर शुक्रवार के दिन बुलडोजर की कार्यवाही कराई गई थी. जिसमें बुलडोजर से मकान को जमीन डोज कर दिया गया था। उसके बाद दूसरे दिन बांदा सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के द्वारा निरीक्षण किया गया था। जिसमें बबेरू उप जिलाधिकारी को फोन से खरी खोटी भी सुनाई थी, जो अभी तक सोशल मीडिया अखबार से लेकर टीवी चौनलों तक सुर्खियां बटोर रहा है। वही सोमवार को कंग्रेस नेताओं का जत्था पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा , उसके बाद ही बांदा चित्रकूट के पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल मौके पर पहुंचकर बुलडोजर से की जमीदोज किए गए मकान का निरीक्षण किया। और पूरी जानकारी लेते हुए परिजनों से मुलाकात किया है, और हर संभव मदद दिलाई जाने का भरोसा दिया है। मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि हमको अपनों ने लूटा गैरों में कहां दम था, जहा मेरी कश्ती थी डूबी वहां पानी कम था, यह कहावत चरित्र हो रही है, हमारे ही भाजपा के नेताओं ने आपस में एक दूसरे को नीचा दिखाने के लिए ऐसी हरकत कर रहे हैं। जो पीड़ित परिवार है अजय कुमार उर्फ गोलू पांडे वह भाजपा का कार्यकर्ता था, और इससे दो दुकान मांगी जा रही थी। लेकिन गोलू पांडे के द्वारा जगह देने से मना कर दिया। जिससे भाजपा के नेता जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील सिंह पटेल व उनके गुर्गों के द्वारा मकान को गिरवा दिया गया। इसी तरह पूर्व सांसद ने अपने चुनाव की भी बात मीडिया के सामने रख दिया। कि मेरे हराने का हाथ हमारे ही कार्यकर्ता और पदाधिकारी यानी जिला पंचायत अध्यक्ष का हाथ था। उन्होंने यह भी कहा कि हम सक्षम अधिकारी से इसकी जांच करवाएंगे, और जो भी इस तरह की कार्यवाही कराई है उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी, इस मौके पर पीड़ित परिवार के पक्ष पर सैकड़ो भाजपा के कार्यकर्ता एवं बांदा जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष राजेश द्विवेदी के साथ उन अधिवक्ता मौजूद रहे।

बच्चे को गोद में लेकर बाजार जा रही महिला को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

परियर (उन्नाव)। कोतवाली सफीपुर क्षेत्र के अंतर्गत पावा-अतहा मार्ग पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में मां और उसका मासूम पुत्र घायल हो गए। महिला अपने एक वर्षीय बेटे को गोद में लेकर पैदल बाजार जा रही थी, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। राहगीरों की मदद से दोनों को सीएचसी सफीपुर पहुंचाया गया, जहां से महिला की गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना साल्हेपुर खलील नगर गांव निवासी माया (45) पत्नी श्रवण कुमार के साथ हुई। वह सोमवार की सुबह अपने पुत्र अंश (1) को गोद में लेकर गांव से पैदल पावा बाजार जा रही थी। जब वह मुस्तफाबाद गांव के सामने पावा-अतहा मार्ग पर पहुंची, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद महिला सड़क किनारे गिर पड़ी और मासूम बच्चा जोर-जोर से रोने लगा। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत दोनों को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सफीपुर पहुंचाया।

नाव न होने पर जान हथेली पर रखकर निकल रहे छात्राएं व राहगीर

- पलरा नरी संपर्क मार्ग पर स्थित रपटा जलमग्न
- तहसील के अधिकारियों के निरीक्षण करने के बावजूद नहीं लगी नाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पैलानी तहसील अंतर्गत नली पलरा संपर्क मार्ग पर बीती रात केन नदी का जलस्तर बढ़ने से रपटा डूब गया। सुबह एसडीएम पैलानी अंकित वर्मा व नायब तहसीलदार पैलानी मोहम्मद मुस्तकीम ने पलरा नरी संपर्क मार्ग पर आए केन नदी के बाढ़ का पानी आने पर ग्रामीणों ने उपजिला अधिकारी पैलानी अंकित वर्मा को सूचना दिया मौके पर सुबह पहुंचे एसडीएम ने महज केन नदी के सामने फोटो खींच कर खाना पूर्ति कर ली।और नाव न लगाकर वापस पैलानी तहसील लौट आए। वही करीब 11रू00 बजे नायब तहसीलदार पैलानी मोहम्मद मुस्तकीम ने भी रपटे का निरीक्षण किया लेकिन नाव लगाने की जहमत तक नहीं उठा पाए। नरी पलरा संपर्क मार्ग पर पलरा कछार डेरा, बंसी डेरा, दुर्जन डेरा, पाई का डेरा आदि गांवों व मजरो के ग्रामीण व छात्र छात्राएं पैलानी आते हैं और छात्र-छात्राएं प्रतिदिन राजकीय इंटर कॉलेज पैलानी सुबह पढ़ने आते हैं वहीं बंसी डेरा की रहने वाली छात्राओं ने बताया कि अगर नाव नहीं लगी तो बड़ा हादसा हो सकता है वही ग्रामीणों ने जिलाधिकारी जे रीभा से रपटे पर र तत्काल नाव लगाए जाने को लेकर मांग की है।

लेखपालों के प्रदर्शन के चलते बाढ़ चौकियों में लटके रहे ताले - हापुड़ के डीएम द्वारा लेखपाल सुभाष मीणा पर दंडात्मक कार्रवाई करने के बाद आहत होकर मौत होने के के बाद पैलानी तहसील के ढाई दर्जन लेखपालों ने सुबह से ही तहसील में धरना प्रदर्शन देकर कार्य का बहिष्कार किया इसके चलते सत्रह बाढ चौकियों पर ताले लटके रहे। लेखपाल संघ अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि बाढ़ चौकियों में केवल लेखपाल और राजस्व निरीक्षक ही दिखाई दे रहे हैं बाढ़ चौकियों में ना तो पशुपालन विभाग ना स्वास्थ्य विभाग ना पंचायती राज विभाग समेत कई विभागों के कर्मचारी बाढ़ आपदा के समय बाढ चौकिया पर ना आकर लापरवाही बरत रहे हैं। क्या कहते हैं जिम्मेदार - वही बाढ़ जैसे आपदा में एसडीएम पैलानी द्वारा मीडिया से मुंह मोड़ने के बाद उनसे किसी भी प्रकार का वर्जन लेने पर सीधे तहसीलदार के ऊपर जिम्मेदारी सौंपने का बहाना बनाकर कन्नी काट रहे हैं। वहीं तहसीलदार राधेश्याम सिंह से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि बाढ़ चौकियों में कई ऐसे विभाग हैं जो लापरवाही बरत रहे हैं और बाढ चौकियों पर नही आ रहे हैं जिसको लेकर शीघ्र जिला अधिकारी को पत्र प्रेषित किया जाएगा।

छोटी काशी गोला के पौराणिक शिव मंदिर में सावन के पहले सोमवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सावन माह के पहले सोमवार को छोटी काशी गोला के पौराणिक शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में जल, दूध, दही, बेलपत्र और अन्य प्रसाद चढ़ाए। इस दौरान भक्तों ने भगवान शिव की आराधना की और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना की। तीर्थ सरोवर में श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। प्रशासन ने सावन माह में शिव भक्तों के स्वागत के लिए मंदिरों में विशेष तैयारियां की हैं। मंदिर

परिसर को बिजली और फूलों की झालरों से सजाया गया है। पुलिस ने भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उचित व्यवस्था की है। गोला नगर में मंदिर के आसपास क्षेत्र को बैरिकेडिंग कर बंद किया गया है और उस जगह वालंटियर्स और सुरक्षाकर्मी की ड्यूटी लगाई गई है।

गोला एसडीएम युगान्तर त्रिपाठी, तहसीलदार भीमसेन, नायब तहसीलदार और गोला सीओ ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कई थानों के थाना प्रभारी और भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें और एम्बुलेंस भी तैनात की गई हैं।

केशवापुर पुलिस चौकी पर पुलिसकर्मी मुस्तैद

अजान खीरी। सावन माह के पहले सोमवार को लखीमपुर की तरफ से हजारों की संख्या में कांवड़िए पवित्र नदियों का जल लेकर गोला शिव मंदिर पहुंचे। उनकी सुरक्षा के लिए हैदराबाद थाना द्वारा केशवापुर कस्बे में अस्थायी पुलिस चौकी बनाई गई थी, जिस पर पुलिसकर्मियों की नियमित ड्यूटी लगाई गई थी। लेकिन पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा के विपरीत इस बार कांवड़ियों को शीतल जल और मेडिकल सुविधाएं नहीं दी गईं। कांवड़िए पुलिस चौकी पर पानी और मरहम पट्टी की व्यवस्था न होने से मायूस दिखे। इस बात की चर्चा कस्बे में काफी तेज है और लोग पुलिस की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

नगर में यातायात व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बड़े वाहनों को नगर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। गोला सदर चौराहे से अलीगंज मार्ग पर प्रशासन द्वारा सख्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ ट्रैफिक पुलिस द्वारा छोटे वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। शिव भक्तों का कहना है कि सावन के महीने का भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दौरान शिवलिंग पर जलाभिषेक से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सावन मास में नगर के शिव मंदिरों में यह उत्साह एक महीने तक जारी रहेगा। हर सोमवार को विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय बजरंग दल ने मुस्लिम ढाबे पर लगी शिव भगवान की होर्डिंग हटवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के हैदराबाद थाना क्षेत्र के खुटार रोड स्थित ग्राम अहमदनगर में एक मुस्लिम व्यक्ति द्वारा संचालित बिरयानी ढाबे पर हिंदू देवी-देवताओं, विशेष रूप से भगवान शिव की बड़ी होर्डिंग्स लगाई गई थीं। यह मामला तब सामने आया जब राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया को ग्रामीणों ने इसकी जानकारी दी।

ग्रामीणों और राष्ट्रीय बजरंग दल का आरोप है कि मुस्लिम समुदाय के लोग सावन माह के दौरान अपनी पहचान बदलकर हिंदू देवी-देवताओं की होर्डिंग्स लगाकर शुद्ध शाकाहारी भोजनालय लिखवा देते हैं। इनका मकसद दूर-दराज से आ रहे शिव भक्त कांवरियों को गुमराह करना और अपवित्र करना बताया जा रहा है। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा और संगठन के अन्य कार्यकर्ताओं को भेजकर मुस्लिम समुदाय के व्यक्ति द्वारा संचालित बिरयानी की दुकान पर हिंदू धर्म की देवी-देवताओं की तस्वीरें हटवा दीं और प्रोपाइटर का नाम व कारोबार के नाम की होर्डिंग लगवाई।

इससे पहले, जिला अध्यक्ष कनौजिया ने उप जिला अधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया था कि ढाबा, रेस्टोरेंट, मिष्ठान और फास्ट फूड की दुकानों पर प्रोपाइटर के नाम अंकित करवाने के आदेश की मांग की थी। उनका कहना है कि एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। अब राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने जिलाधिकारी महोदय लखीमपुर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को एक ज्ञापन सौंपने की तैयारी की है, जिसमें मुस्लिम समुदाय द्वारा सावन माह में भी संचालित ढाबा, रेस्टोरेंट, मिष्ठान और फास्ट फूड की दुकानों पर प्रोपाइटर का नाम अंकित करवाने की मांग की जाएगी।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया थाना पुरानी बस्ती का आकस्मिक निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बस्ती। अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती ओम प्रकाश सिंह द्वारा दिनांक 14.07.2025 को थाना पुरानी बस्ती का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, मेस, मालखाना, CCTNS कार्यालय ,बैरक, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क व परिसर की साफ-सफाई एवं अभिलेखों के उचित रख-रखाव हेतु संबंधित को आवश्यकता दिशा-निर्देश दिया गया तथा लंबित विवेचनाओं को पूर्ण कर अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु समीक्षा कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

सावन मेले में सुरक्षा की कमी: अजान चौकी क्षेत्र में गस्त में भी पुलिस सुस्त

अजान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र की अजान चौकी के स्थानीय कस्बे में सावन मेले के दौरान पुलिस की गस्त न होने से सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हजारों की संख्या में कांवड़िये कस्बे से होकर छोटीकाशी गोला जाते हैं और गंगा जल चढ़ाने के लिए आते हैं, लेकिन इस समय भी पुलिस की अनुपस्थिति मे सवालिया निशान लगना स्वभाविक है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सावन मेले के दौरान पुलिस की गस्त बढ़ाई जानी चाहिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोंका जा सके। लोगों का यह भी मानना है कि पुलिस की सक्रियता से न केवल सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि श्रद्धालुओं को भी अच्छा महसूस होगा। वहीं, इस मुद्दे पर पुलिस प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लोगों की मांग है कि प्रशासन इस मुद्दे पर ध्यान दे और मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करे। क्या प्रशासन इस मुद्दे को संज्ञान में लेकर मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा।

सीएमओ ने परिवार नियोजन जागरूकता हेतु सारथी वाहन को दिखाई हरी झंडी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के अंतर्गत परिवार नियोजन जागरूकता अभियान को गति देने के लिए सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता ने ''सारथी'' प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को परिवार नियोजन की विभिन्न सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे अपने परिवार की योजना बनाने में सक्षम हो सकें। पखवाड़े के दौरान जनपद स्तर पर दो ई-रिक्शा और ब्लॉक स्तर पर तीन ई-रिक्शा प्रचार वाहन के रूप में कार्य करेंगे। ये वाहन विभिन्न गांवों और शहरी क्षेत्रों में जाकर माइक, पंपलेट और अन्य प्रचार सामग्री के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण के महत्वपूर्ण संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगे। ''सारथी'' वाहन के माध्यम से लोगों को परिवार नियोजन के सुरक्षित विकल्पों, बच्चों में उचित अंतर रखने की महत्ता और स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।

इस पहल से न केवल जनसंख्या स्थिरता के राष्ट्रीय लक्ष्य को बल मिलेगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और उपयोग भी बढ़ेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित यह पहल समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. आर. एम. गुप्ता, डॉ. लालजी पासी, डॉ. राकेश गुप्ता, डिप्टी सीएमओ डॉ. सतपाल सिंह, कार्यक्रम प्रबंधक पदमाकर त्रिपाठी, सचिन गुप्ता, विजय वर्मा, देवनंदन श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसके सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

आदर्श जनता महाविद्यालय देवकली में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

लखीमपुर खीरी। मेरा युवा भारत अंतर्गत लखीमपुर खीरी उ0 प्र0 युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान एवं जिला युवा अधिकारी संकल्प शुक्ला के निर्देशन में आदर्श जनता महाविद्यालय देवकली में प्रातः 10.00 बजे वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के महाविद्यालय के प्राचार्य हरिवंश शर्मा और शिवराम वर्मा जिला मंत्री भारतीय योग संस्थान ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरूआत में वृक्ष लगाकर किया इसके साथ ही जिला युवा अधिकारी द्वारा एक पेड़ मां के नाम 0.2 के बारे में जानकारी दी गई कार्यक्रम में त्रिपाठी कॉलोनी युवा मण्डल के अध्यक्ष रितेश वर्मा , सदस्य अंकित कुमार वर्मा ,हर्षित पाल , महाविद्यालय शिक्षक जी पी पाण्डेय, काशी वर्मा एवं विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

सड़क पार कर रहा बाईक सवार हादसे में घायल, गोंडा रेफर

कर्नलगंज,गोंडा। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत नगर कर्नलगंज स्थित मौर्यनगर चौराहे के पास सोमवार की दोपहर में गोंडा-लखनऊ हाइवे पार कर रहे बाईक सवार और गोंडा से लखनऊ की ओर जा रही इनोवा कार की कंपोजिट विद्यालय कर्नलगंज के सामने भिड़ंत हो गई,जिससे बाईक सवार हवा में उछलकर काफी दूरी पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे गोंडा रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि दोनो वाहनों को कब्जे में लिया गया है। घायल व्यक्ति की पहचान 32 वर्षीय सत्यम तिवारी निवासी ग्राम पड़रिया थाना कर्नलगंज के रूप में हुई है। बताया जाता है कि घायल दो भाईयों में बड़ा था,उससे छोटा एक भाई अनुपम तिवारी है।

दिव्यांग व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट, लूट लिए 10 हजार

गोण्डा। जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में एक संवेदनशील और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि दो लोगों ने एक दिव्यांग व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट कर उससे दस हजार रुपये लूट लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार घिवपुर पैड़ी अजब गांव निवासी दिव्यांग वसीम अहमद अपनी दुकान से घर लौट रहे थे। वसीम के अनुसार वह चंदवतपुर के पास पहुंचा था जहाँ दो व्यक्तियों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों लोगों ने उसे जबरन गाड़ी से उतारा और पीटते हुए जेब में रखे 10 हजार रुपये छीन लिए। यही नही शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपियों द्वारा दिव्यांग की पिटाई करते साफ दिखाई दे रहा है। दिव्यांग वसीम किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकला। उसने कोतवाली देहात में तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किये जाने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

लाठी देने से किया इनकार तो हमलावरों ने घर में घुसकर की मारपीट और तोड़फोड़

गोंडा। जिले के परसपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चरसड़ी में लाठी न देने पर कुछ लोगों ने एक परिवार पर हमला बोल दिया।गाली-गलौज, मारपीट और घर में घुसकर तोड़फोड़ की इस घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ग्राम चरसड़ी निवासी अनिल सिंह ने परसपुर थाने में दी गई तहरीर में बताया कि गांव के ही आशीष सिंह, सतीश सिंह व ठाकुर प्रसाद किसी व्यक्ति से मारपीट करने की नीयत से उससे लाठी मांगने लगे। जब उसने मना किया तो तीनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उस पर हमला कर दिया और मुक्कों, थप्पड़ों तथा लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया। शोर सुनकर बचाव में आई मनीषा और निरंजन सिंह को भी आरोपियों ने पीटा। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की धमकी दी और घर में घुसकर घरेलू सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष शारदेंदु कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर,घायल युवक की रास्ते में मौत, मुकदमा दर्ज

परसपुर,गोंडा। परसपुर थाना क्षेत्र के भौरीगंज पुल के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल हुए युवक की इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने बीएनएस व मोटर वाहन अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। ग्राम नरायनपुर साल निवासी रामराज पासी पुत्र कालिका पासी ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनका भाई किशुन उम्र लगभग 40 वर्ष 11 जुलाई 2025 को किसी कार्य से निकला था। उसी दिन भौरीगंज पुल के आसपास पीछे से आ रही मोटरसाइकिल संख्या ठध 43 उक 7879 के चालक शुभम सिंह पुत्र सूर्यभान सिंह निवासी गंजन पुरवा रुदौली थाना परसपुर, गोंडा ने तेज गति व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए किशुन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन तत्काल उसे इलाज के लिए लखनऊ लेकर पहुंचे, जहां से उसे दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया। लेकिन 13 जुलाई 2025 को रेफर करते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। परिजन शव को घर लेकर आए और अंतिम संस्कार किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी शुभम सिंह के खिलाफ बीएनएस की धाराओं व मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष शारदेंदु कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी बाइक चालक की तलाश की जा रही है,जल्द ही उसे हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतक के घर में मातम छाया हुआ है और परिजन गहरे सदमे में हैं।

कैसे भूलेंगे वो मैदान रसूले अरबी!

बज़्म फ़रोगे अदब ने मुशायरा किया आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। बज़्म फ़रोगे अदब की तरफ से मोहर्रम के इस पाक महीने में इमाम हुसैन की शान में मुशायरे का आयोजन किया गया, जिसमें तमाम शायरों ने नात शरीफ के साथ साथ मनक़ाबत पेश की। मुशायरे की सदारत बज़्म फ़रोगे अदब के सदर आमिर रज़ा पम्मी ने की और निज़ामत इलियास चिश्ती ने किया। खीरी कस्बे के मोहल्ला शेखसराय स्थित मदरसा सुल्ताने हिंद में आयोजित मुशायरे में अपने अध्यक्षीय भाषण में आमिर रज़ा ने कहा कि आज इमाम हुसैन के नाम से सजी इस महफिल ने हमे और हमारी बज़्म को जो उरूज़ बक्शा है, यह मील का पत्थर साबित होता। इस दौरान उन्होंने मंक़बत पेश करते हुए कहा-अफ़ज़ल है कुल जहां में घराना हुसैन का, नबियों का ताजदार है नाना हुसैन का।

नज़्म के सीक्रेट्री डॉक्टर एहराज अरमान ने पढ़ा- सर कटाया है जहां दीन के शहजादों ने, कैसे भूलेंगे वह मैदान रसूले अरबी।

शहबाज़ हैरत चिश्ती ने पढ़ा - हर इक नमाज़ी होता नहीं राहे रास्त पर, देखे हैं करबला में मुसल्ले अलग अलग। मुशायरे की निज़ामत कर रहे इलियास चिश्ती ने पढ़ा - जानते हो कितने भीतर हैं हुसैन,जिस्म में दिल, दिल के अंदर हैं हुसैन।

उमर हनीफ ने पढ़ा- सब्रो रज़ा से महके हुए लफ़्ज़ दे खुदा, लिखना हे मुझको एक कसीदा हुसैन का। नफीस वारसी ने पढ़ा- उन्हीं की वज्ह से रौनक़ है इसके साहिल पर, फ़ुरात क्यों न पुकारे हुसैन ज़िन्दा बाद। अय्यूब अंसारी ने पढ़ा - रौनक़ उन्हीं के चहरे पे होगी बरोज़े हश्र, अय्यूब जिनको प्यार है मेरे हुसैन से। मंसूर महवार ने पढ़ा- ख़ुतब ए जैनब ने साबित कर दिया हक पे बातिल का चला सिक्का नहीं मो0 आसिफ नूर ने पढ़ा- सलीस मीठी ज़बां को हुसैन कहते हैं सदाक़तों के बयां को हुसैन कहते हैं। हसन अंसारी ने पढ़ा - यजीद मुर्दा है मुर्दों में पाया जाता है,हुसैन जिंदा हमारे हुसैन जिंदा बाद।इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस पार्टी ने जिले में 11 नगर अध्यक्षों की घोषणा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। कांग्रेस पार्टी ने लखीमपुर खीरी जिले में 11 नगर अध्यक्षों की घोषणा की है। इनमें गोला नगर पालिका से अजीत जैन टीटू, पलिया से अजय दरोगा, मोहम्मदी से बलराम वरुण, धौरहरा नगर पंचायत से अमीन अहमद, खीरी से रसूल अहमद चंद, मैलानी से अवनीश प्रकाश अवस्थी, बरबर से वलीउल्ला, सिंगाही से अब्दुल मजीद कुरेशी, निघासन से इनायत अली, भीरा से आसिफ अली और ऑयल नगर पंचायत से रामचंद्र राज शामिल हैं। इन नियुक्तियों के बारे में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से इन नगर अध्यक्षों की घोषणा की गई है और इससे पार्टी को जिले में संबल मिलेगा। यह नियुक्तियां प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर की गई हैं। नवनियुक्त नगर अध्यक्षों को बधाई देते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि इन नियुक्तियों से पार्टी को जिले में नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

प्रथम सोमवार को नगर के संभ्रांत नागरिकों ने कांवरियों पर की फूल बरसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। पवित्र सावन माह के प्रथम सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू की अगुवाई में रोटरी क्लब गोला सेन्ट्रल, लायंस क्लब गोला के साथ देवाधिदेव की उपासना एवं जलाभिषेक करने के लिए आए कांवरियों पर शिव मंदिर में पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। स्वागतोउपरांत नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि शिव भक्तों के स्वागत के लिए छोटी काशी गोलागोकर्णनाथ का व्यापारी, सामाजिक संगठन, शैक्षणिक संस्थान, पालिका प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। हम श्रद्धालुओं के सुख सुविधा का पूरा खयाल रखेंगे। पुष्प वर्षा में धर्मेंद्र गिरी मोंटी, सभासद धर्मेंद्र तिवारी टीटू ,रोटरी क्लब गोला सेंट्रल से अध्यक्ष अभिषेक राजपूत ,सचिव प्रमोद वर्मा , डा0योगेश कनौजिया ,आदर्श सोनी ,उमेश जायसवाल ,वरुण राजपूत ,विवेक गुप्ता ,अमित वर्मा लायंस क्लब गोला अध्यक्ष संजय बंसल , नीरज गुप्ता सेक्रेटरी,राजेश पांडे, ललित विश्वास, श्याम राजपूत, विमल गुप्ता, रणजीत सिंह ,नीरज गुप्ता ,भाजपा कुम्भी मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र कटियार ,भाजपा मीडिया प्रभारी विजय मिश्रा आदि मौजूद रहे।

ईंटों से भरा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटा

बबेरू/बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पतवन गांव के पास ईंटों से भरा ट्रैक्टर नियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पतवन गांव के पास सोमवार को ईंटों से भरा ट्रैक्टर औगासी की तरफ जा रहा था। तभी ट्रैक्टर के सामने अचानक मवेशी आ गया, जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। वहीं ट्रैक्टर के पीछे बाइक में सवार शत्रुघ्न निषाद पुत्र चुन्ना निषाद उम्र करीब 55 वर्ष निवासी निभौंर थाना बबेरू की ट्रैक्टर की चपेट पर आने से बाइक सवार शत्रुघ्न की मौके पर मौत हो गई। राहगीरों ने देखा तो बबेरू कोतवाली पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दिया, मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज बांदा भेज दिया है।

कांग्रेसियों पर दर्ज हुए मुकदमे के विरोध में पार्टीजनों का जोरदार प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जनपद के बबेरू तहसील में ब्लाक कांग्रेस कमेटी कार्यालय से कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के विरुद्ध बबेरू की सड़कों में नारेबाजी करते हुए काफी संख्या में कांग्रेसजन तहसील पहुंचे। राज्यपाल उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा गया। इस अवसर पर मीडिया से रूबरू होते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि वर्तमान प्रदेश की भाजपा सरकार विकास कार्यों का झूठा प्रचार कर स्वयं वाहवाही लूटने का कार्य कर रही है, प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में शहर के अन्दर जलमग्न की समस्या होने पर घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है, इस प्रकरण को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष व जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के सैकड़ों कांग्रेसियों के साथ प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय जा रहे थे, प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जबरन रोका गया व कांग्रेसजनों के साथ अमानवीय व्यवहार हुआ, भाजपा सरकार प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस जो सदैव जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष करती चली आ रही है आवाज को दबाने का काम किया गया है, साथ ही शहर के सिगरा थाने में प्रदेश अध्यक्ष / जिला अध्यक्ष / शहर अध्यक्ष सहित अनेक कांग्रेसियों पर मनगढ़ंत तरीके से विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया गया, इस बात को लेकर जनपद की विभिन्न तहसीलों में बबेरू, अतर्रा, नरैनी, पैलानी में ज्ञापन देने का काम कांग्रेसियों ने किया, मांग की फर्जी और झूठा मुकदमा वापस लिया जाए अन्यथा की दशा में पूरे प्रदेश के कांग्रेसजन उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होगें।

विद्यालयी रिकॉर्ड में बड़ा फर्जीवाड़ा!

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- एक ही छात्रा के दो नाम और दो जन्मतिथि, शिक्षा विभाग की लापरवाही उजागर

कर्नलगंज, गोंडा। कर्नलगंज विकासखंड अंतर्गत स्थित कम्पोजिट विद्यालय कुतुबपुर से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक ही छात्रा के शैक्षिक दस्तावेजों और आधार कार्ड में नाम और जन्मतिथि अलग-अलग दर्ज पाए गए हैं। शिक्षा विभाग की गंभीर लापरवाही का यह मामला समग्र शिक्षा पोर्टल से लेकर स्कूल के ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) और आधार रिकॉर्ड तक फैला हुआ है।

विद्यालय द्वारा जारी स्थानांतरण प्रमाण पत्र में छात्रा का नाम सोनाली लिखा गया है,जबकि आधार कार्ड और समग्र शिक्षा पोर्टल में वही छात्रा शिवानी के नाम से दर्ज है। इतना ही नहीं, जन्मतिथि को लेकर भी बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। टीसी में अंक के रूप में जन्मतिथि 04-01-2010 दर्ज है, वहीं शब्दों में जन्मतिथि चार

अक्टूबर 2011 लिखी गई है। जबकि आधार कार्ड और स्कूल रजिस्टर में जन्मतिथि 01/01/2010 दर्ज है। आश्चर्य की बात तो यह है कि टीसी में यह भी दर्ज है कि छात्रा ने 2010 में कक्षा-8 पास कर ली,जबकि उसका जन्म ही 2010 या 2011 में दिखाया गया है।

यानी छात्रा ने जन्म से पहले ही आठवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली। इन सबके बीच छात्रा की माता का नाम ''रेनू'' और पिता का नाम ''राजेन्द्र यादव'' सभी दस्तावेजों में समान है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नाम और जन्मतिथि में हेरफ़ेर जानबूझकर किया गया है। शिक्षा विभाग की लापरवाही और दस्तावेजों में इस तरह की असंगति कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

इसी के साथ ही यह किसी फर्जीवाड़े का हिस्सा लग रहा है। ऐसे में गंभीर सवाल यह उठ रहे हैं कि क्या किसी छात्रा को दो अलग पहचान देकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया जा रहा है? कहीं यह फर्जी दाखिले या छात्रवृत्ति घोटाले से जुड़ा मामला तो नहीं? इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे और भविष्य में ऐसे फर्जीवाड़े रोके जा सके।

सिराज पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया

एजेंसी

लंदन। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर यहां लार्ड्स में तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट का विकेट लेने के बाद आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए सोमवार को मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। इस टेस्ट में चार विकेट लेने वाले सिराज को खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज को आउट करने के बाद उसके खिलाफ दिखाई गई आक्रामक प्रतिक्रिया से संबंधित है। सिराज ने रविवार को इंग्लैंड की दूसरी पारी में डकेट को 12 रन पर आउट करने के बाद उनके प्रति आक्रामक रवैया अपनाया तथा अपना कंधा उनके कंधे से भी टकराया। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के बाद मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। बयान में कहा गया है, '' सिराज ने विकेट लेने के बाद फॉलो-थ्रू में बल्लेबाज के करीब जाकर जश्न मनाया और जब डकेट पवेलियन लौटने लगे तो उनके शरीर को स्पर्श भी किया। जुर्माने के अलावा सिराज के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है। यह उनका 24 महीने की अवधि में दूसरा अपराध था, जिससे उनके डिमेरिट अंकों की संख्या दो हो गई है। जब कोई खिलाड़ी 24 महीने की अवधि में चार या अधिक डिमेरिट अंक तक पहुंच जाता है तो उन्हें निलंबन अंक में बदल दिया जाता है और खिलाड़ी पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है।

हमारे ड्रेसिंग रूम अभी भी मजबूत बल्लेबाज है जो जीत दिला सकते है : वॉशिंगटन

लॉर्ड्स। इंग्लैंड की दूसरी पारी में चार विकेट झटकने वाले भारतीय टीम के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने कहा कि अभी भी हमारे ड्रेसिंग रूम में मजबूत बल्लेबाज है जिनके दम पर हम यह टेस्ट जीत सकते है। चौथे दिन के खेल की समाप्ति के बाद वॉशिंगटन ने मीडिया से बातचीत में कहा, हमने जैसा सोचा था चीजे पूरी तरह से वैसी नहीं हुईं लेकिन हम सकारात्मक मानसिकता के साथ कल आएंगे। ड्रेसिंग रूम में अभी भी हमारे पास काफी मजबूत बल्लेबाज मौजूद हैं। लॉर्ड्स में टेस्ट जीतना बेहद खास होगा। इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रदर्शन को लेकर वॉशिंगटन ने कहा, यह गेंद के साथ मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ दिनों में से एक था, विशेष रूप से भारत के बाहर। मैं इस मैच से पहले कुछ योजना के साथ आया था और मैं उस रणनीति को अमलीजामा पहनाना चाहता था। मैं टीम के लिए हर चरण में योगदान देना चाहता था और मैं जिस तरह से प्रदर्शन करने में सफल रहा यह मेरे लिए सुखद अनुभव है।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 143 पर रोका, हासिल की 82 रन की बढ़त

एजेंसी

जमैका। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन वेस्टइंडीज को पहली पारी में 143 के स्कोर पर समेटने के बाद 82 रनों की बढ़त हासिल कर ली इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए स्टंप्स तक छह विकेट पर 99 रन बना लिए हैं और कुल 181 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। दूसरे दिन वेस्टइंडीज ने एक विकेट पर 16 रन से आगे खेलना शुरु किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और एक-एक करके विकेट गवां रहे। वेस्टइंडीज का दूसरा विकेट ब्रैंडन किंग (14) के रूप में गिरा। इसके बाद कप्तान रॉस्टन चेज (18), जॉन कैंपबेल (36), मिकाइल लुईस (सात), शे होप (23), अल्जारी जोसेफ (दो) रन बनाकर आउट हुये। जस्टिन ग्रीव्स (18) रनआउट हुये। शमार जोसेफ (आठ) के रूप में वेस्टइंडीज का आखिरी विकेट 52.1 ओवर में 143 रन पर गिरा। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर 82 रनों की बढ़त ले ली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने तीन विकेट लिये। जॉश हेजलवुड और पैट कमिंस ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। मिचेल स्टार्क और बो वेब्स्टर को एक-एक विकेट मिला। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। सैम कॉन्स्टास (शून्य) और उस्मान ख्वाजा (14) रन बनाकर आउट हुये। दोनों ही बल्लेबाजों को शमार जोसेफ ने आउट किया। इसके बाद अल्जारी जोसेफ ने ऑस्ट्रेलिया के तीन बल्लेबाजों को आउट किया। स्टीव स्मिथ (पांच), एलेक्स कैरी (तीन), बो वेब्स्टर (13) रन बनाकर आउट हुये। ट्रेविस हेड (16) को ग्रीव्स ने आउट किया। दूसरे दिन स्टंप के समय ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 99 रन बनाकर लिये है और उसकी कुल बढ़त 181 रनों की हो गई। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने तीन और शमार जोसेफ ने दो विकेट लिये। जस्टिन ग्रीव्स ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

संक्षिप्त समाचार

ओला इलेक्ट्रिक का राजस्व अप्रैल-जून तिमाही में 35.5 प्रतिशत बढ़कर 828 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक का राजस्व तिमाही आधार पर अप्रैल-जून में 35.5 प्रतिशत बढ़कर 828 करोड़ रुपये हो गया। जनवरी-मार्च तिमाही में यह 611 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कुल 68,192 वाहनों की आपूर्ति की जबकि वित्तवर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में 51,375 इकाइयों की आपूर्ति की थी। यह तिमाही आधार पर 32.7 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसमें कहा गया कि एकीकृत परिचालन व्यय अब 150 करोड़ रुपये प्रति माह है और वित्त वर्ष 2025-26 तक इसे घटाकर 130 करोड़ रुपये प्रति माह करने का लक्ष्य है। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसे चालू वित्त वर्ष में 3,25,000 से 3,75,000 वाहन बेचने और 4,200-4700 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि जेन 3 उत्पाद खंड के लिए दूसरी तिमाही से शुरू होने वाले उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) लाभों के साथ सकल मुनाफा 35-40 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। कंपनी को समूचे वर्ष में कर पूर्व आय के पांच प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है।

देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में बिक्री अप्रैल-जून में 14 प्रतिशत घटकर 97,674 इकाई

नयी दिल्ली। देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में बिक्री अप्रैल-जून में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत घटकर 97,674 इकाई रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,13,768 इकाई थी। आवासीय 'ब्रोकरेज' कंपनी प्रॉपटाइगर की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे में मकानों की बिक्री अप्रैल-जून में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत घटकर 41,901 इकाई रह गई। कीमतों में वृद्धि से उपभोक्ता मांग कम हुई। महाराष्ट्र के दो महत्वपूर्ण संपत्ति बाजारों एमएमआर और पुणे में संयुक्त आवास बिक्री एक वर्ष पूर्व की समान अवधि में 60,191 इकाई थी। अन्य प्रमुख प्रमुख आवासीय बाजारों में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं। प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के बिक्री प्रमुख श्रीधर श्रीनिवासन ने कहा, '' खासकर बजट व मध्यम आय वर्ग में सामर्थ्य के दबाव ने खरीदारों की धारणा को थोड़ा सतर्क कर दिया है। श्रीनिवासन ने कहा कि हालांकि अंतर्निहित मांग बरकरार है। प्रॉपटाइगर आरईए इंडिया का हिस्सा है। आरईए इंडिया के पास हाउसिंग डॉट कॉम का स्वामित्व है।

दिलीप पीरामल, उनका परिवार वीआईपी इंडस्ट्रीज में बेचेगा अपनी 32 प्रतिशत हिस्सेदारी

नयी दिल्ली। बैग, सूटकेस, ट्रोली बैग, ब्रीफकेस आदि बनाने वाली वीआईपी इंडस्ट्रीज के प्रवर्तक दिलीप पीरामल और उनका परिवार कंपनी में अपनी 32 प्रतिशत तक हिस्सेदारी वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी मल्टीपल्स को बेचेंगे। मल्टीपल्स कंसोर्टियम द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अधिग्रहण नियमों के अनुसार, इस कदम से खुले बाजार से 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए खुली पेशकश भी शुरू हो जाएगी। दोनों कंपनियों द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, दिलीप पीरामल और उनके परिवार ने कंपनी में 32 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने के लिए मल्टीपल्स कंसोर्टियम के साथ एक निर्णायक समझौता किया है। बयान में कहा गया है, '' लेनदेन पूरा होने पर कंपनी का नियंत्रण मल्टीपल्स प्राइवेट इक्विटी को हस्तांतरित कर दिया जाएगा, जबकि दिलीप पीरामल और उनका परिवार कंपनी में शेयरधारक बने रहेंगे। इसमें कहा गया कि दिलीप पीरामल वीआईपी इंडस्ट्रीज के मानद चेयरमैन होंगे। वीआईपी इंडस्ट्रीज ने अलग से शेयर बाजार को दी सूचना में मल्टीपल्स कंसोर्टियम की ओर से कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से 3.70 करोड़ शेयर खरीदने के लिए खुले प्रस्ताव के बारे में भी जानकारी दी।

वाशिंगटन फ्रीडम को हराकर एमआई न्यूयॉर्क ने जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब

वॉशिंगटन। एमआई न्यूयॉर्क ने वाशिंगटन फ्रीडम को रोमांचक मुकाबले में पांच रन से हराकर मेजर लीग क्रिकेट 2025 का खिताब जीता। अमेरिका के डलास में ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में सोमवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 180 रन बनाए। क्विंटन डिकॉक ने सबसे अधिक 77 रनों की पारी खेली। मोनांक पटेल ने भी तेज 28 रन जोड़े। कुंवरजीत सिंह की 13 गेंदों में नाबाद 22 रनों की तेज पारी एमआई न्यूयॉर्क के स्कोर को 180 तक पहुंचाने में अहम साबित हुई। वाशिंगटन फ्रीडम के पास खिताब बचाने का अच्छा अवसर था क्योंकि ग्लेन मैक्सवेल और ग्लेन फिलिप्स आखिरी ओवर में क्रीज पर थे, लेकिन 22 साल के अमेरिकी गेंदबाज रशील उगारकर ने दबाव में शानदार गेंदबाजी की और आखिरी ओवर में 12 रन बचाते हुए एमआई न्यूयॉर्क को दूसरी बार चैंपियन बना दिया।

मार्क मार्केज़ ने जीता जर्मन मोटोजीपी, भाई एलेक्स पर चैंपियनशिप बढ़त को किया और मजबूत

एजेंसी

सैक्सनरिंग। डुकाटी राइडर मार्क मार्केज़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें 'किंग ऑफ सैक्सनरिंग' क्यों कहा जाता है। अपने 200वें मोटोजीपी रेस में हिस्सा लेते हुए मार्केज़ ने रविवार को जर्मन ग्रां प्री का खिताब जीत लिया। यह एक ऐसी रेस थी, जो अंत तक सिर्फ 10 राइडर्स के पूरा कर पाने के चलते ''सर्वाइवल टेस्ट'' बन गई। यह सैक्सनरिंग पर मार्क की नौवीं मोटोजीपी जीत थी, जिसके साथ ही उन्होंने अपने भाई एलेक्स मार्केज़ पर चैंपियनशिप की बढ़त को 83 अंकों तक पहुंचा दिया। एलेक्स ने दूसरी पोजिशन हासिल की, जबकि मार्क के डुकाटी टीममेट फ्रांसेस्को बगनैया तीसरे स्थान पर रहे और अब वह चैंपियनशिप में 147 अंक पीछे हैं। एलेक्स ने इस रेस में पांचवीं ग्रिड पोजिशन से शुरुआत की थी और यह उनका 100वां मोटोजीपी रेस था। खास बात यह रही कि वह अभी भी डच ग्रां प्री में हाथ में आई फ्रैक्चर और सर्जरी से उबर ही रहे हैं, इसके बावजूद उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया। रेस के दौरान कई राइडर्स पहले मोड़ (टर्न-1) पर क्रैश हुए, जिनमें वीआर46 रेसिंग के फाबियो डी जियानन्तोनियो और एप्रिलिया के मार्को बेज़ेकी जैसे दावेदार शामिल थे, जो उस समय दूसरे स्थान पर चल रहे थे। हालांकि दिन पूरी तरह मार्क मार्केज़ के नाम रहा। उन्होंने अपने चहेते ट्रैक पर जीत का जश्न कुछ खास अंदाज में मनाया – बाइक पर खड़े होकर, डांस करते हुए उन्होंने चेकर फ्लैग पार किया। यह लगातार चौथा वीकेंड रहा जब उन्होंने स्प्रिंट और मुख्य रेस दोनों जीते। मार्क ने कहा, ''सैक्सनरिंग पर एक और जीत हासिल करना बेहद खास है। शुरुआत से ही मुझे आत्मविश्वास था, क्योंकि हम लगातार तीन जीत के साथ यहां आए थे। अब हम कह सकते हैं कि आधा सीजन पूरा हो चुका है, लेकिन अगले हिस्से में भी हमें पूरी तरह फोकस रहना होगा। शनिवार को उन्होंने सीजन की सातवीं पोल पोजिशन हासिल की थी और भीगी हुई ट्रैक पर स्प्रिंट रेस भी जीती थी, हालांकि पहले मोड़ पर गलती हुई थी। लेकिन मुख्य रेस में उन्होंने बेहतरीन शुरुआत की और टर्न-1 में लीड पकड़ ली, पीछे थे बेज़ेकी और डी जियानन्तोनियो। जैसे-जैसे रेस आगे बढ़ती गई, मार्क ने अपना अंतर बनाना शुरू कर दिया। वहीं पीछे बेज़ेकी और जियानन्तोनियो आपस में जगह बदलते रहे और एलेक्स व पेड्रो अकॉस्टा चौथे स्थान के लिए संघर्ष करते रहे। लेकिन अंततः बाज़ी मार्क मार्केज़ के नाम रही, जो इस समय मोटोजीपी के सीजन में जबरदस्त लय में नजर आ रहे हैं।

शादी के सात साल बाद अलग हुए साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप

नयी दिल्ली। बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप शादी के सात साल बाद आधिकारिक तौर पर अलग हो गये है। साइना ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट लिखकर अपने अगले होने की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, कई बार जिंदगी हमें अलग रास्तों पर ले जाती है। सोच-विचार के बाद, कश्यप पारुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला लिया है। हम शांति, आगे बढ़ने और खुद को समझने के रास्ते को चुन रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, बीते पलों के लिए शुक्रिया और आगे के लिए शुभकामनाएं। इस समय हमारी निजता का सम्मान करने के लिए धन्यवाद। भारतीय खेलों में कभी शक्तिशाली जोड़ी माने जाने वाले इस जोड़े ने हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद अकादमी में एक साथ प्रशिक्षण लिया और बाद में 2004 में डेटिंग शुरू की। करीब दस वर्ष की मित्रता के बाद 2018 में दोनों खिलाड़ी वैवाहिक बंधन में बंधे थे।

जेन स्ट्रीट ने 'एस्क्रो' खाते में जमा किए 4843 करोड़ रुपये; सेबी से प्रतिबंध हटाने का अनुरोध

एजेंसी

नयी दिल्ली। बाजार में कथित तौर पर हेरफ़ेर के जरिये भारी मुनाफा कमाने वाली अमेरिकी 'ट्रेडिंग' कंपनी जेन स्ट्रीट ने एक 'एस्क्रो खाते' में 4,843.57 करोड़ रुपये जमा करा दिए हैं और सेबी से कुछ प्रतिबंध हटाने का अनुरोध किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को बयान में यह जानकारी दी और कहा कि बाजाज नियामक इस अनुरोध पर गौर कर रहा है। सेबी ने तीन जुलाई को अपने अंतरिम आदेश में जेन स्ट्रीट (जेएस) को भारी लाभ कमाने के लिए नकदी और वायदा एवं विकल्प बाजारों में एक साथ दांव लगाकर बाजारों में हेरफ़ेर करने का दोषी पाया था। बाजार नियामक ने कंपनी को बाजार में प्रवेश करने से रोक दिया और 4,843 करोड़ रुपये से अधिक के कथित अवैध लाभ को वापस करने का निर्देश दिया था। जांच में पाया गया था कि जेएस ने जनवरी 2023 से मई 2025 तक की जांच अवधि के दौरान शुद्ध आधार पर 36,671 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। नियामक ने कहा कि अंतरिम आदेश के अनुपालन में 4,843.57 करोड़ रुपये की राशि सेबी के पक्ष में ग्रहणाधिकार चिह्नित करते हुए एक 'एस्क्रो' खाते में जमा कर दी गई है। 'एस्क्रो' खाता एक विशेष प्रकार का बैंक खाता होता है जिसे तीसरे पक्ष द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इस खाते का इस्तेमाल दो पक्षों (जैसे खरीदार और विक्रेता) के बीच वित्तीय लेनदेन में सुरक्षा और विश्वास सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। इसमें पैसा या संपत्ति तब तक रखी जाती है जब तक कि लेन-देन से जुड़ी सभी शर्तें पूरी नहीं हो जातीं। बयान में कहा गया, '' जेन स्ट्रीट ने सेबी से अनुरोध किया है कि सेबी के निर्देशों के अनुपालन में इस 'एस्क्रो' खाते में पैसे जमा करने के बाद अंतरिम आदेश के तहत लगाए गए कुछ सशर्त प्रतिबंध हटा दिए जाएं और सेबी इस संबंध में उचित निर्देश जारी करे। इसमें कहा गया, '' सेबी वर्तमान में इस अनुरोध पर अंतरिम आदेश के निर्देशों के तहत गौर कर हा है। नियामक ने कहा कि वह उचित प्रक्रिया का पालन करने और प्रतिभूति बाजार की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जेन स्ट्रीट ग्रुप की स्थापना 2000 में की गई थी। यह एलएलसी वित्तीय सेवा उद्योग में एक वैश्विक स्वामित्व वाली 'ट्रेडिंग' कंपनी है। यह अमेरिका, यूरोप और एशिया में पांच कार्यालयों में 2,600 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती है और 45 देशों में 'ट्रेडिंग' का संचालन करती है।

हीरो मोटोकॉर्प 2025-26 की दूसरी तिमाही में जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, ब्रिटेन के बाजार में उतरेगी

नयी दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प तेजी से वैश्विक विस्तार कर रही है और उसकी योजना 2025-26 की दूसरी तिमाही में जर्मनी, फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन के बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की है। कंपनी के चेयरमैन पवन मुंजाल ने यह बात कही है।

मुंजाल ने कंपनी की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि हीरो मोटोकॉर्प ''भविष्य में निवेश कर रही है-भारत और उससे आगे। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी अपने मंच, जिसमें 'स्टार्टअप के लिए हीरो' पहल भी शामिल है, के जरिये अगली पीढ़ी के उद्यमियों को प्रोत्साहन दे रही है और उन्हें अनुसंधान एवं विकास की सुविधा तथा बाजार तक पहुंच दे रही है। मुंजाल ने कहा कि 2024-25 में कंपनी ने 'इलेक्ट्रिक परिवहन में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत किया है।

भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंचा, सोमवार से शुरू होगी व्यापार वार्ता: अधिकारी

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय का दल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर एक और दौर की वार्ता के लिए वॉशिंगटन पहुंच गया है। यह वार्ता सोमवार को शुरू होने वाली है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत के मुख्य वार्ताकार एवं वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल बुधवार को दल का हिस्सा बनेंगे। चार दिन की यह वार्ता बृहस्पतिवार को संपन्न होगी। अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बीटीए के लिए भारत के उप-मुख्य वार्ताकार बीटीए के पहले चरण पर बातचीत के लिए वॉशिंगटन पहुंच गए हैं। कृषि और दुग्ध उत्पादों पर शुल्क में रियायत की अमेरिकी मांग पर भारत ने अपना रुख कड़ा कर लिया है। दुग्ध क्षेत्र में मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने अबतक अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। यह यात्रा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका ने अतिरिक्त आयात शुल्क (भारत के मामले में यह 26 प्रतिशत है) को एक अगस्त तक टाल दिया है। भारत, इस्पात तथा एल्युमीनियम (50 प्रतिशत) और मोटर वाहन (25 प्रतिशत) क्षेत्रों पर शुल्क में ढील की भी मांग कर रहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मानदंडों के तहत इनके विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का अपना अधिकार भी सुरक्षित रखा है। दोनों देश प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण के लिए बातचीत इस साल सितंबर-अक्टूबर तक पूरी करना चाहते हैं। इससे पहले वे एक अंतरिम व्यापार समझौते को आकार देने के प्रयास कर रहे हैं। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-मई की अवधि में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 21.78 प्रतिशत बढ़कर 17.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 25.8 प्रतिशत बढ़कर 8.87 अरब डॉलर रहा।

थोक महंगाई दर जून में घटकर 20 माह के निचले स्तर -0.13 फीसदी पर रही

एजेंसी

नई दिल्ली। खाद्य वस्तुओं एवं ईंधन की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ विनिर्मित उत्पादों की लागत में कमी आने से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर जून महीने में घटकर -0.13 फीसदी रही है, जो इसका 20 महीने का निचला स्तर है। इससे पिछले महीने मई में थोक महंगाई दर 0.39 फीसदी रही थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि डब्ल्यूपीआई पर आधारित ये दर मई महीने में 0.39 फीसदी और जून 2024 में 3.43 फीसदी रही थी। जून महीने में थोक महंगाई दर में कमी की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, मूल धातुओं के विनिर्माण, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस आदि की कीमतों में नरमी रही है। आंकड़ों के मुताबिक जून में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 3.75 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि पिछले महीने मई में इसमें 1.56 फीसदी की गिरावट आई थी। आंकड़ों के मुताबिक जून में सब्जियों की कीमतों में 22.65 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई, जबकि मई में यह 21.62 फीसदी थी। इसी तरह विनिर्मित उत्पादों के मामले में थोक महंगाई दर जून महीने में 1.97 फीसदी रही, जबकि मई में यह 2.04 फीसदी रही थी। इसके अलावा ईंधन और बिजली क्षेत्र की थोक महंगाई दर जून में 2.65 फीसदी रही, जो मई में 2.27 फीसदी रही थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले महीने मुद्रास्फीति में नरमी के बीच नीतिगत ब्याज दर में 0.50 फीसदी की भारी कटौती करके रेपो रेट 5.50 फीसदी कर दिया था। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा महंगाई में नरमी का अनुमान 4 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया था। रिजर्व बैंक ने अपने जारी अनुमान में पहली तिमाही में 2.9 फीसदी, दूसरी तिमाही में 3.4 फीसदी, तीसरी में 3.9 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.4 फीसदी कर दिया था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में तेजी नजर आ रही है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में तेजी आने के कारण आज देश के कई सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना एक बार फिर 1,00,000 रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। वहीं कुछ राज्यों के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,550 रुपये से लेकर 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

सावन के पहले सोमवार पर शिवमय हुई काशी नगरी

- श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में आस्था का अटूट जलधार
- शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा,चंहुओर कंकर-कंकर शंकर का नजारा,गंगा घाट से दरबार तक श्रद्धा की अटूट कतार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। सावन के पहले सोमवार पर काशी नगरी अपने आराध्य आदि विश्वेश्वर (श्री काशी विश्वनाथ) की भक्ति में आकंठ डूब गई है। चंहुओर कंकर-कंकर शंकर का नजारा दिख रहा है। केशरियामय हुई नगरी में बाबा के स्वर्णमंडित दरबार में पूरे श्रद्धाभाव से पावन ज्योर्तिलिंग पर आस्था की अखंड जलधार गिर रही है। शिवभक्त ''कैलाशी काशी के वासी अविनाशी मेरी सुध लीज्यो'' के भाव से काशीपुराधिपति का झांकी दर्शन और जलाभिषेक कर आह्लादित है। धाम परिसर लाखों श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव, काशी विश्वनाथ शंभों के गगनभेदी कालजयी उद्घोष से गुंजायमान है। श्री काशी विश्वनाथ धाम में प्रातः कालीन बेला में भगवान श्री काशी विश्वनाथ की मंगला आरती श्रद्धापूर्वक की गई। मंदिर न्यास के अनुसार मंगलाआरती के उपरांत धाम के बाहर मैदागिन एवं गोदौलिया की तरफ पंक्तिबद्ध श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। पुष्प वर्षा में पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट,मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी वाराणसी सत्येन्द्र कुमार, मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण, विशेष कार्याधिकारी पवन प्रकाश पाठक, नायब तहसीलदार मिनी एल शेखर आदि शामिल रहे। मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन एवं पूजन की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने धाम क्षेत्र में व्यापक पर्याप्त पेयजल काउंटर्स, चिकित्सा हेल्प डेस्क, खोया पाया केंद्र, तथा अन्य सुविधा एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। श्री काशी विश्वनाथ दरबार में पावन ज्योर्तिलिंग की एक झलक और दरश परस के लिए तीन दिशाओं में लगभग तीन किमी लम्बी कतार लगी हुई है। कतारबद्ध शिवभक्तों का उत्साह आसमान छू रहा है। उमस,धूप,बारिश ,थकावट,लगातार चलने से पांव में पड़े छाले भी उनकी राह रोकने में कमजोर पड़ पड़ रही है। पूरे नगरी में चंहुओर हर हर महादेव की गूंज है। कतारबद्ध कावरियों और शिवभक्तों की सेवा में सामाजिक

संगठनों ने सेवा शिविर लगाया हुआ है। शिविर के पास कोई पाइप से शिवभक्तों के पैर धुलवा कर खुद को धन्य समझ रहा है तो कोई चाय निबू पानी, चना घुघनी, मनुहार के साथ खिला रहा है। सावन के पहले सोमवार पर बाबा विश्वनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु रविवार शाम से ही बैरिकेडिंग में कतार बद्ध हो गये थे। पूरी रात बारिश के बीच बाबा के दर्शन का इंतजार करते रहे। इस दौरान हर हर महादेव का गगनभेदी उद्घोष से पूरा मंदिर परिक्षेत्र गुजांयमान रहा। मंगलाआरती के बाद बाबा दरबार का पट खुलते ही देश के विभिन्न जिले प्रान्त से आए शिवभक्त मंदिर में पहुंच कर दर्शन पूजन करते रहे। धाम और मंदिर परिक्षेत्र के बाहर पुलिस अफसर सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए लगातार चक्रमण कर रहे हैं। मैदागिन से गोदौलिया, सोनारपुरा चौराहे तक, गुरुबाग से रामापुरा, बेनियाबाग तिराहे तक, ब्राडवे तिराहा से सोनारपुरा होकर गोदौलिया तक, भेलूपुर से रामापुरा चौराहे तक पैदल छोड़ सभी वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है। गंगा के जलस्तर में बढ़ाव को देख दशाश्वमेध घाट पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। श्रद्धालुओं को लाउड हेलर से आगाह किया जा रहा है कि वह गंगा में स्नान के दौरान सजग रहें। नौकायन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। सावन के पहले सोमवार पर ज्यादातर सनातनी परिवार में लोगों ने बाबा विश्वनाथ के प्रति श्रद्धाभाव से व्रत रखा है।

भगवान शिव के इस मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा है

कानपुर। सावन महीने के पहले सोमवार पर शहर के तमाम शिव मंदिरों में भक्तों का तांता दिखाई दिया। यों तो जनपद में कई ऐसे मंदिर हैं। जिनका अपना एक अलग इतिहास है। इन्हीं में से एक परमिट इलाके में स्थापित बाबा आनंदेश्वर मंदिर जिसका इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। गंगा घाट किनारे स्थापित इस मंदिर में रोजाना हजारों भक्त बाबा के दर्शन करने आते हैं। लेकिन सावन के महीने में यह भीड़ कई गुना बढ़कर लाखों तक पहुंच जाती है। सोमवार को मंदिर के इतिहास को लेकर महंत अरुण भारती ने कई अहम जानकारियां साझा की है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। यह मंदिर पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित है। प्रचलित कहानी के अनुसार दानवीर कर्ण गंगा स्नान करने के बाद यहां पूजा पाठ करने आते थे। इसके अलावा आनंदी नाम की एक गाय रोजाना शिवलिंग पर जाकर अपना दूध चढाती थी। रोजाना कर्ण और गाय को ऐसा करता देख ग्रामीणों ने जिज्ञासा पूर्वक उसे स्थान पर खुदाई कराई। कई दिनों की खुदाई के बाद वहां पर एक शिवलिंग मिला ग्रामीणों ने उसकी पूजा अर्चना कर शिवलिंग को गंगा किनारे स्थापित कर दिया। ऐसा कहा जाता है कि गाय के दूध चढ़ाने से ही इस मंदिर का नाम आनंदेश्वर पड़ा। समय के बदलाव के चलते भक्तों की आस्था इस मंदिर से बढ़ती चली गयी। वर्तमान में बल्कि आसपास के जिलों के लोग भी दर्शन करने आते हैं। ऐसा कहा जाता है कि लगातार 40 दिनों तक इस मंदिर में बाबा के दर्शन करने से मनोकामना पूर्ण होती है। मनोकामना पूर्ण होने के बाद ही भक्त इस मंदिर में भव्य भंडारे और श्रृंगार का भी आयोजन करवाते हैं। इसके अलावा मंदिर परिसर में ही बाबा शिव के अलावा विष्णु भगवान, लक्ष्मी जी, बजरंगबली, शनिदेव और माँ सरस्वती इत्यादि देवी देवताओं की भी मूर्तियां स्थापित है।

श्रावण का पहला सोमवार : महादेव के जल व गंगाभिषेक को शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- कांवड़ियों के हर-हर महादेव और साम्ब सदाशिव के जयघोषों से गूंजा महानगर,पुलिस व प्रशासन व्यवस्थाओं में जुटा

झांसी। सनातन संस्कृति के अनुसार श्रावण मास सृष्टि के सृजनकर्ता व प्रलयंकारी आशुतोष देवाधिदेव महादेव को अत्यंत प्रिय है। इसीलिए इस पूरे माह और विशेषकर सोमवार को शिवजी की भक्ति का विशेष महत्व है। श्रावण माह के प्रथम सोमवार को महानगर समेत जिले के विभिन्न शिवालयों में कावड़ियों की भीड़ लगी रही, तो कहीं सनातनी ब्रम्हमुहूर्त से ही अपने भोले बाबा के अभिषेक करने को पंक्तिबद्ध दिखाई दिए। श्रद्धालु अपने शिव शम्भू को मनाने के लिए जलाभिषेक एवं तरह-तरह के पूजा उपाय करते नजर आए।

महानगर के शिवालयों में श्रावण मास के प्रथम सोमवार के दिन भोलेनाथ के दर्शनों व उनके जलाभिषेक करने को लोगों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में पहुंचकर भगवान भूत भावन शंकर जी का दूध, दही, शहद, घृत व अन्य प्रकार से अभिषेक किया। उन्हें बेलपत्र चढ़ाए। भांग, धतूरा और आक का फूल भेंट करते हुए विभिन्न प्रकार के फलों का भी भोग लगाया। इस दौरान ओरछा स्थित बुन्देलखण्ड की जीवन दायनी वेत्रवती गंगा कही जाने वाली बेतवा नदी के कंचना घाट से जल लेकर कावड़ियें मऊरानीपुर स्थित केदारेश्वर व वीरांगना नगरी के सिद्धेश्वर महादेव समेत मढ़िया महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। वहीं तीर्थराज प्रयाग स्थित मां गंगा का जल लेकर कांवड़ियों ने सिद्धेश्वर महादेव का गंगाभिषेक किया। सभी छोटे बड़े शिवालयों में नमः शिवाय, हर हर महादेव व बम बम भोले व साम्ब सदाशिव के जयकारों व जय घोष गुंजायमान रहे। सावन के पहले सोमवार के चलते लोगों ने अपने अपने घर पर शिवार्चन करते हुए शिवलिंग निमार्ण भी किए। लोगों ने सोमवार का व्रत रखते हुए घर पर ही भोलेनाथ की विधि विधान से पूजा अर्चना की। घर घर लोगों ने भोलेनाथ का अभिषेक किया। महानगर के प्राचीन सिद्धेश्वर मंदिर,मढ़िया महाकालेश्वर महादेव,दीक्षित बाग स्थित महादेव मंदिर,पानी वाली धर्मशाला पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर, ऐतिहासिक दुर्ग स्थित महादेव मंदिर,नगरा नैनागढ़ स्थित शिव मंदिर,जिले के मऊरानीपुर स्थित केदारेश्वर महादेव मंदिर समेत गांव-गांव व कस्बों में स्थित शिवालयों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। महानगर धर्माचार्य व सिद्धेश्वर मंदिर के महंत हरिओम पाठक ने बताया कि स्वयंभू ज्योतिर्लिंगों पर कांवड़ चढ़ाने का विशेष महत्व है। यहां कांवड़ का एक कलश जल चढ़ाने से एक हजार कलश जल चढ़ाने का फल प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि वेदों पुराणों में ऐसा बताया गया है कि घर पर रुद्राभिषेक करने से जो फल मिलता है। वहीं फल किसी विशेष मान्यता वाले मंदिर में करने पर हजार गुना अधिक प्राप्त होता है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

कानपुर देहात के नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में सावन के पहले सोमवार को भक्तों का तांता लगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर देहात। जिले में एक ऐसा शिव मंदिर है जो मुगलकाल की आज भी याद दिलाता है। यहां भक्तों की ऐसी आस्था है कि प्रत्येक सोमवार को पूजा अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती है। सावन मास में तालाब परिसर में बने इस प्राचीन नर्मदेश्वर महादेव मंदिर भीड़ देखते बनती है। आज पहले श्रावण के सोमवार में यहां आस्था का सैलाब देखने को मिला।

बता दें कि कानपुर देहात के अकबरपुर में ऐतिहासिक शुक्ल तालाब परिसर में प्राचीन नर्मदेश्वर महादेव मंदिर भक्तों की आस्था व आराधना का प्रमुख केंद्र है। मंदिर की नक्कासी इसके प्राचीनतम होने को दर्शाता है। सावन के हर सोमवार को भक्त बड़ी संख्या में यहां आकर भगवान शंकर की पूजा अर्चना व जलाभिषेक करते हैं। वहीं अंतिम सोमवार को यहां भव्य श्रंगार के साथ रुद्राभिषेक व विशेष पूजन का आयोजन होता है। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को यहां भक्तों का रैला उमड़ा। आज मंदिर में पहुंचे श्रद्धालु मीत और सुरेन्द्र ने पूजा अर्चना की। उन्होंने बताया कि नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन और पूजा करने से हर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सावन में यहां भीड़ दूर दराज से आती हैं और दर्शन पूजन कर भगवान शंकर की कृपा पाते हैं। वहीं बड़ी संख्या में महिलाओं ने सुबह से गंगा व जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर रही हैं। मंदिर प्रबंधन की ओर से सावन में भक्तों की आने वाली भीड़ को लेकर व्यवस्थाएं की गई हैं। वहीं पुलिस प्रशासन निगरानी बनाए हुए हैं। मुगलकाल में कानपुर देहात जनपद में अकबरपुर का ऐतिहासिक शुक्ल तालाब वास्तु कला का नायब नमूना होने के साथ ही हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतीक है। शुक्ल तालाब परिसर में मंदिर और मस्जिद दोनों मौजूद हैं। इस वजह से हिंदू और मुस्लिम की एकता का प्रतीक इसे कहा जाता है।यहां मंदिर में हिन्दू भक्त पूजा अर्चना करने आते हैं, वहीं मस्जिद में मुस्लिम धर्म के लोग सजदा करने आते हैं। आज भी दूर दराज से लोग यहां आते हैं। इसकी प्राचीनतम कहानी 1857 की क्रांति की यादें संजोए हैं। इस परिसर में स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर लोगों की आस्था व आराधना का केंद्र बना हुआ है। बुजुर्गों के मुताबिक, वर्ष 1556 में जब शहंशाह अकबर दिल्ली की गद्दी पर बैठा तो उसने 1563 ईसवीं में शीतल शुक्ल को अकबरपुर का दीवान व नत्थे खां को आमिल (ग्रामों में भूमि कर वसूल अधिकारी) नियुक्त किया था। इसी बीच अकबरपुर में अकाल पड़ गया। इस पर दोनों लोगों ने सरकारी पैसे से 1578 में पहले इस तालाब का निर्माण कराया था। धन जमा न होने पर अकबर बादशाह ने स्वयं यहां आकर जांच की। इस पर धन के सदुपयोग की जानकारी पर उन्होने दोनों को इनाम भी दिया था। इधर, शीतल शुक्ल व उनके परिवार के लोगों को भगवान महादेव में घोर आस्था थी। इसलिए शीतल शुक्ल ने उसी परिसर में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण कराया था। उस दौरान जिले का यह अनूठा व भव्य मंदिर है। बाद में लोगों की आस्था बढ़ती गयी। मौजूदा समय में यह तालाब व मंदिर पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित है। इस संबंध में नगर पंचायत अकबरपुर अधिशाषी अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि तालाब व नर्मदेश्वर महादेव मंदिर मौजूदा में पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित किया जा रहा है। इस परिसर को योगी सरकार हैरिटेज होटल बनाने की तैयारी में हैं। इसके लिए कैबिनेट की बैठक में मंजूरी भी मिल चुकी हैं। इस परिसर को 38 करोड़ की लागत से इसे संजोया जाएगा।

भोले के जयकारों से शिवमय हुई बरेली, शिवालयों में उमड़ा भक्तों की भीड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। सावन के पहले सोमवार को शहर शिवमय हो गया। बाबा भोलेनाथ की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं का जनसैलाब सुबह से ही शिवालयों की ओर उमड़ पड़ा। हर गली-मोहल्ला, हर सड़क 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंज उठा। रविवार देर रात से ही कांवड़ लेकर लौटे शिवभक्त कछला और हरिद्वार से गंगाजल लेकर बरेली पहुंचने लगे। जैसे ही आधी रात को पहला सोमवार शुरू हुआ, मंदिरों में जलाभिषेक का सिलसिला आरंभ हो गया। किला स्थित बाबा अलखनाथ मंदिर में सबसे पहले जलाभिषेक की शुरुआत हुई। मंदिर के महंत कालू गिरि महाराज ने बताया कि भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए विशेष प्रबंध किए गए हैं। दर्शनार्थियों के लिए अलग-अलग प्रवेश और निकास मार्ग बनाए गए हैं। भोर से ही मंदिर परिसर में शिवभक्तों की लंबी कतारें लग गईं। पूरे क्षेत्र में 'हर-हर महादेव' के जयघोष गूंजते रहे। प्रेमनगर के बाबा त्रिवटीनाथ मंदिर में सुबह चार बजे महाआरती के बाद जलाभिषेक शुरू हुआ। मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी संजीव औतार अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मार्ग को सुगम बनाया गया है। जोगी नवादा स्थित बाबा वनखंडीनाथ मंदिर में शुक्रवार को कछला गए कांवड़िए सोमवार सुबह जलाभिषेक के लिए पहुंचे। उनके लिए अलग से लाइन लगवाई गई। पीलीभीत रोड से मंदिर तक पहुंचना आसान रहा। कैंट स्थित बाबा धोपेश्वरनाथ मंदिर में तड़के चार बजे आरती के साथ जलाभिषेक की शुरुआत हुई।

कोई भी शुभ कार्य करने से पहले बालेश्वरनाथ के दरबार में हाजिरी लगाते हैं बलियावासी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। सावन माह में बलिया के नाथ, पुराधिपति बाबा बालेश्वरनाथ की एक झलक पाने को जिलेवासी आतुर रहते हैं। उसमें दिन सोमवार का हो तो भोलेनाथ के दर्शन की अभिलाषा और भी बढ़ जाती है। इस बार सावन माह में बाबा के सुगम दर्शन को विशेष इंतजाम किए गए हैं। बलिया के नाथ बाबा बालेश्वरनाथ की कहानी भी कम रोचक नहीं है। जिसके कारण लोगों की जबरदस्त आस्था है। यहां के लोग कोई भी शुभ कार्य करने से पहले बाबा बालेश्वरनाथ के दरबार में हाजिरी लगाते हैं ताकि असफल न हो। दरअसल, बाबा बालेश्वरनाथ की कहानी महर्षि भृगु के पुत्र दैत्यकुल पुरोहित शुक्राचार्य व असुरेंद्र राजा बलि से जुड़ी है। मान्यता है कि महर्षि भृगु सावन के महीने में सूर्य के रथ पर सवार होकर भ्रमण करते हुए भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। बाबा बालेश्वरनाथ लिंग विग्रह की दानवेंद्र राजा बलि ने पूजा की है। इस विग्रह की भृगुक्षेत्र में स्थापना राजा बलि ने अपने कुलपुरोहित शुक्राचार्य के सानिध्य में प्रख्यात यज्ञ के समय किया था। बाबा बालेश्वरनाथ के बारे में एक और मान्यता है कि ये अभी जिस स्थान पर विद्यमान हैं, वह तीसरी बार बसाया गया है। इसके पहले दो बार बलिया शहर मां गंगा की लहरों में समा चुका है। मंदिर प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष डब्ल्यू चौधरी बताते हैं कि वर्तमान में जहां यह मंदिर विराजमान है, वह स्थान मेरे पूर्वजों ने मुहैया कराया है। क्योंकि इसके पहले बाबा का मंदिर दो बार गंगा में समाहित हो चुका है। अंतिम बार करीब डेढ़ सौ साल पहले लच्छू और बिलर नाम के दो भाइयों ने गंगा से छान कर बालू और गंगा की मिट्टी से बने बाबा के शिवलिंग को बचाकर यहां लाया था। तब हमारे पूर्वजों ने यह जगह दी थी। तभी से बाबा बालेश्वरनाथ यहीं विराजमान हैं। उन्होंने ही बताया कि एक और किंवदंती (एक ऐसी कहानी या कथा है जो पीढ़ी दर पीढ़ी सुनी जाती है) है कि एक भक्त बलिया से रोज वाराणसी बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के लिए जाता था। जब उसका शरीर थक गया तो बाबा विश्वनाथ स्वयं ही बलिया आ गए थे। लोगों की मान्यता है कि शहर के मध्य में विराजित बाबा बालेश्वरनाथ दरबार में आने वाले हर भक्तों का कष्ट हर लेते हैं। जनपद वासियों का मानना है कि जो भी भक्त सच्चे मन से बाबा के दरबार में आता है भोलेनाथ उसकी हर मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। यही कारण है कि जिले के लोग कोई भी शुभ कार्य करने से पहले बाबा के दरबार में अवश्य पहुंचते हैं।

एचडीएफसी बैंक 'परिवर्तन' के तहत कौशल विकास व आजीविका संवर्धन कार्यक्रमों के माध्यम से 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर बैंक के सीएसआर कार्यक्रम 'परिवर्तन' की शुरुआत से अब तक पूरे भारत में 7.2 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किए जाने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डाला है। बैंक के पास वर्तमान में विभिन्न राज्यों में कौशल विकास के क्षेत्र में 70 से अधिक सक्रिय परियोजनाएं हैं, जो आईटी/आईटीईएस, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और कृषि सहित कई क्षेत्रों को कवर करती हैं। कौशल विकास और आजीविका संवर्धन, बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का एक प्रमुख केंद्र बिंदु है, जो सभी सीएसआर पहलों के लिए इसका अम्ब्रेला ब्रांड है। इसकी पहल दो प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है: क) रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास ख) विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में उद्यमिता पर जोर देते हुए आजीविका में वृद्धि। रोज़गार सृजन कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे (एनएसक्यूएफ) से जुड़े तीन से छह महीने के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जो वित्त और व्यावसायिक सेवाएँ, खुदरा और बिक्री, आतिथ्य और पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और आईटी सक्षम सेवाएँ, निर्माण और विनिर्माण, सौंदर्य और कल्याण, परिधान और वस्त्र, और शिक्षा और प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों को कवर करते हैं। इन कार्यक्रमों में 60 से 70 प्रतिशत तक प्लेसमेंट दर हासिल की गई है। बैंक के कौशल केंद्रों में हाल ही में जयपुर में परिवर्तन कौशल अकादमी भी शामिल हुई है, जो स्थायी रोज़गार और उद्यमिता के लिए स्थानीय स्तर पर प्रासंगिक प्रशिक्षण मार्ग प्रदान करती है। यह अकादमी पूरे भारत में एक व्यापक नेटवर्क का हिस्सा है, जिसके माध्यम से एचडीएफसी बैंक का लक्ष्य आने वाले वर्षों में कुल 2 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसके साथ ही, किसानों, स्वयं सहायता समूहों और समुदाय-आधारित उद्यमों सहित छह लाख से अधिक व्यक्तियों को परिवर्तन की आजीविका संवर्धन और उद्यमिता पहलों से लाभ हुआ है, जो स्थायी आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देती हैं। इन पहलों के माध्यम से विकसित कौशलों में बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, हथकरघा बुनाई, मशरूम की खेती, वर्मी कम्पोस्ट और जैविक खेती शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन की कौशल पहल आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में फैली हुई है। कौशल विकास में बैंक के प्रयास विविध पृष्ठभूमि के युवाओं के समावेशी विकास और आर्थिक सशक्तिकरण का समर्थन करते हैं। बैंक का समावेशी दृष्टिकोण 4,300 से अधिक दिव्यांग व्यक्तियों के प्रशिक्षण में परिलक्षित होता है। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन, कौशल प्रशिक्षण के अलावा युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए युवा उद्यमिता पिच कार्यक्रम आयोजित करता है। ये प्रयास संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप हैं, जिनमें सभ्य कार्य और आर्थिक विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता और जलवायु कार्रवाई शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2014 में स्थापित विश्व युवा कौशल दिवस, सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के महत्व को मान्यता देता है।